Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Handicrafts and Carpet Sector Skill Council

SCPwD
दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल परिषद
Skill Council for Persons with Disability

फैसीलिटेटर गाइड

क्षेत्र
हस्तशिल्प तथा कालीन

उप-क्षेत्र
पेपर मैश उत्पाद

व्यवसाय:
कागज के शिल्प उत्पाद निर्माण

संदर्भ आईडी: **HCS/Q4401,** संस्करण **3.0**
एनएसक्यूएफ स्तर 4

पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न

लोकोमोटर विकलांगता के लिए
बोलने और सुनने की समस्या के लिए

SCPwD Reference ID: PWD/HCS/Q4401

यह पुस्तक हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित है
क्षेत्र कौशल परिषद संपर्क विवरण :
पता: ओसीएफ, प्लॉट नंबर 2, पॉकेट 9, सेक्टर बी, वसंत कुंज, नई दिल्ली- 110070 लैंडमार्क - जिम्स के पीछे
फोन: +91-11-26133165/26139834 – फैक्स: +91-11-26135519
वेबसाइट: www.hcssc.in
ईमेल: hcssc@hcssc.in
प्रथम संस्करण: जून, 2022
क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत : सीसी-बीवाय-एसए
Attribution-ShareAlike: CC BY-SA

यह लाइसेंस तभी तक किसी व्यक्ति को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए आपके कार्य में कुछ जोड़ने-घटाने, थोड़ा बदलाव करने व उसके ऊपर और कार्य करने की आज्ञा देता है, जब तक कि वे आपको इसका श्रेय देते हैं व समान शर्तों पर अपनी नई रचनाओं का लाइसेंस देते है। इस लाइसेंस की तुलना अक्सर "कॉपीलेफ्ट" फ्री और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर लाइसेंस से की जाती है। आपके कार्य के आधार पर निर्मित सभी नए कार्यों का एक ही लाइसेंस होगा, इसीलिए यह किसी भी व्युत्पन्न कार्य के व्यावसायिक उपयोग की भी अनुमति देगा। यह विकिपीडिया द्वारा उपयोग किया जाने वाला लाइसेंस है तथा उन सभी सामग्रियों के लिए अनुशंसित है जो विकिपीडिया और इसी तरह के अन्य लाइसेंस प्राप्त परियोजनाओं से ली गई हैं।

दावा-त्याग (Disclaimer)

यहाँ निहित जानकारी हैंडिक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल के विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त की गई है। हैंडिक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल इस तरह की जानकारी की सटीकता, पूर्णता या उसकी पर्याप्तता का कोई दावा नहीं करता। हैंडिक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल यहाँ निहित जानकारी में किसी भी प्रकार की त्रुटि, चूक या अपर्याप्तता या उसकी व्याख्या के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। इस पुस्तक में निहित कॉपीराइट सामग्री के स्रोत का पता लगाने का हर संभव प्रयास किया गया है। प्रकाशक किसी भी चूक के प्रति ध्यान दिलाए जाने के लिए अपने आने वाले संस्करणों में शुद्धता के लिए आभारी रहेंगे। हैंडिक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल की कोई भी इकाई इस सामग्री पर आश्रित किसी भी व्यक्ति द्वारा वहन की जाने वाले नुकसान के प्रति उत्तरदायी नहीं होगी। इस प्रकाशन की सामग्री को कॉपीराइट किया गया है। इस प्रकाशन के किसी भी अंश को हैंडिक्राफ्ट एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा अधिकृत करवाए बिना किसी भी रूप में या पेपर अथवा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के किसी भी साधन द्वारा पुन:निर्मित या संग्रहित या वितरित नहीं किया जा सकता।

नोट: एससीपीडब्ल्यूडी
एससीपीडब्ल्यूडी ने हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद सेक्टर कौशल परिषद से आर्टिसन-पेपर माचे उत्पाद (दिव्यांगजन) की योग्यता उधार ली है, जिसे 25 अगस्त 2022 को एनएसक्यूसी की 22 वीं बैठक में एनसीवीईटी द्वारा अनुमोदित किया गया है (एमओएम का लिंक)
https://ncvet.gov.in/wp-content/uploads/2023/01/MoM-22nd-NSQC-shield-on-25-अगस्त-2022.pdf
और NQR WWW.nqr.gov.in पर अपलोड किया गया है
यह पुस्तक निम्नलिखित विकलांगताओं से जुड़ी नौकरी की भूमिका को पूरा करती है नीचे उल्लिखित एनक्यूआर कोड के अनुसार।
एलडी - 2022/पीडब्ल्यूडी/एससीपीडब्ल्यूडी/06384
एसएचआई - 2022/पीडब्ल्यूडी/एससीपीडब्ल्यूडी/06385

"स्किलिंग से ही बेहतर भारत का निर्माण संभव है | अगर हमें भारत को विकास की ओर ले जाना है तो स्किल डेवलपमेंट ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए |"

श्री नरेंद्र मोदी

भारत के प्रधान मंत्री

आभार

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) उन सभी व्यक्तियों और संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता है जिन्होंने इस "फैसिलिटेटर गाइड" को तैयार करने में विभिन्न तरीकों से योगदान दिया हैं। उनके योगदान के बिना यह सामग्री पूरी नहीं हो सकती थी। इसके विभिन्न मॉड्यूल तैयार करने में सहयोगी रहें सभी को विशेष धन्यवाद दिया जाता हैं। इन मॉड्यूल के लिए सहकर्मी समीक्षा प्रदान करने वाले सभी लोगों को भी उनके प्रयासों के लिए सहृदय सराहना दी जाती हैं।

हस्तकला उद्योग क्षेत्र के सहयोग के बिना इस मार्गदर्शिका को तैयार कर पाना संभव नहीं हो पाता। इसको बनाने की शुरुआत से लेकर अंत तक इंडस्ट्री से समय-समय पर प्राप्त फीडबैक बेहद उत्साहजनक रहा है और उनके इनपुट के साथ ही हमने इंडस्ट्री में आज मौजूद स्किल गैप को पाटने की कोशिश करने के उद्देश्य से यह मार्गदर्शिका तैयार की है।

यह फैसिलिटेटर गाइड उन महत्वाकांक्षी युवाओं को समर्पित है जो ऐसे विशेष कौशलों को सीखने की इच्छा रखते हैं जो उनके भविष्य के उद्यमों के लिए आजीवन स्थाई संपत्ति की तरह होगी।

पुस्तक के विषय में

यह फैसिलिटेटर गाइड हाथ से कढ़ाई करने वाले कारीगर यानि "पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न" के योग्यता पैक (QP) के लिए प्रशिक्षण को सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है। प्रत्येक राष्ट्रीय व्यावसायिक (एनओएस) को यूनिट के हिसाब से शामिल किया गया है।

विशिष्ट एनओएस के लिए प्रमुख शिक्षण उद्देश्य उस एनओएस के लिए इकाइयों की शुरुआत को चिह्नित करते हैं। इस पुस्तक में शामिल एनओएस की सूची आगे दी गई है;

- HCS/N4401: साख्ता बनाना (पेपर पल्प/ कागज़ की लुगदी)
- HCS/N9913: एक स्वस्थ तथा सुरक्षित कार्य-क्षेत्र तैयार करना
- HCS/N9901: सहकर्मियों के साथ सामंजस्य स्थापित करना और एक टीम में कार्य करना
- HCS/N9912: कार्य-क्षेत्र और औजारों का प्रबंधन

प्रयुक्त चिह्न

चरण

समय

टिप्स

नोट्स

उद्देश्य

ऐसा कीजिए

पूछिए

समझाइए

वर्णन करें

दौरा करना

व्यावहारिक

लैब

दर्शाइए

अभ्यास

टीम की गतिविधियां

सरलीकृत नोट्स

सीखने के परिणाम

बोलिए

स्त्रोत

गतिविधियां

सारांश

भूमिका निभाना

उदाहरण

विषय-सूची

क्र.सं.	मॉड्यूल तथा यूनिट	पृष्ठ सं.
1.	**क्षेत्र से परिचय**	1
	यूनिट 1.1 – भारत में पेपर मैश उत्पाद क्षेत्र	3
	यूनिट 1.2: पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न की कार्य-भूमिका	5
2.	**साख्ता (पेपर-पल्प) बनाना (HCS/N4401)**	7
	यूनिट 2.1: कागज़ की लुगदी बनाना	9
	यूनिट 2.2: पेपर मैश उत्पाद बनाना	19
3.	**कार्य-स्थल एवं औजारों का प्रबंधन (HCS/N9912)**	Error! Bookmark not defined.
	यूनिट 3.1: कार्य-क्षेत्र प्रबंधन	**Error! Bookmark not defined.**
4.	**एक सुरक्षित तथा स्वस्थ कार्य-परिवेश बनाकर रखना (HCS/N9913)**	Error! Bookmark not defined.
	यूनिट 4.1: सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई	**Error! Bookmark not defined.**
	यूनिट 4.2: प्राथमिक-चिकित्सा	**Error! Bookmark not defined.**
5.	**एक टीम में कार्य करना (HCS/N9901)**	47
	यूनिट 5.1: एक टीम के रूप में कार्य करें	49
6.	**अनुलग्नक**	67

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

Handicrafts and Carpet
Sector Skill Council

1. क्षेत्र से परिचय

यूनिट 1.1 – भारत में पेपर मैश उत्पाद क्षेत्र

यूनिट 1.2 – पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न की कार्य-भूमिका

ब्रिज मॉड्यूल

सीखने के प्रमुख परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. कार्यक्रम के साथी प्रतिभागियों के साथ तालमेल बनाएं
2. भारत में पेपर मैश उत्पाद के उप-क्षेत्र की चर्चा कीजिए।
3. पेपर मैश के अंतर्गत आने वाली कलाकृतियों को परिभाषित कीजिए।
4. पेपर मैश हस्तकला की कलाकृतियों की पहचान करें।
5. उन राज्यों की पहचान करें जो पेपर मैश कला के मुख्य उत्पादक हैं।
6. पेपर मैश आर्टिसन के कार्य क्षेत्र तथा कार्य-भूमिका का वर्णन करें।
7. पेपर मैश आर्टिसन के लिए मौजूद अवसरों की पहचान करें।

यूनिट 1.1: भारत में पेपर मैश उत्पाद क्षेत्र

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. कक्षा में एक-दूसरे को अपना-अपन परिचय दें
2. सहपाठियों और प्रशिक्षक के साथ तालमेल बनाएँ
3. विद्यार्थियों की रुचि क्षेत्र का पता लगाएं
4. भारत में पेपर मैश उत्पाद उप-क्षेत्र की चर्चा कीजिए।
5. पेपर मैश के अंतर्गत आने वाली कलाकृतियों को परिभाषित कीजिए।
6. पेपर मैश हस्तकला की कलाकृतियों की पहचान करें।
7. उन राज्यों की पहचान कीजिए जो पेपर मैश कला के मुख्य उत्पादक हैं।

उपयोग योग्य सामग्री

- उपलब्ध सामग्री जैसे; डस्टर, पैन, नोटबुक इत्यादि
- पार्सल के रूप में उपयोग किए जाने के लिए एक छोटा थैला

ऐसा कीजिए

- विद्यार्थियों को एक घेरे में खड़ा होने के लिए बोलिए ताकि वे एक-दूसरे को जल्दी से पार्सल दें सकें |
- फिर अचानक से पार्सल को रोकने का आदेश दीजिए, अब जिसके भी हाथ में पार्सल आकार रुके उसे कक्षा में सबके सामने आने को कहिए |
- अब वह व्यक्ति कक्षा के सामने खड़े होकर सबको अपना परिचय देगा जिसमें वह अपना नाम और कुछ अन्य जानकारी जैसे; आदतें, पसंद तथा नापसंद इत्यादि सबके साथ साझा करेगा |
- इस खेल के खत्म होने पर अंत तक बचने वाला विद्यार्थी विजेता होगा और वह भी कक्षा के सामने अपना परिचय देगा |

बोलिए

- खेल के अंत में सभी विद्यार्थियों को खेल में भाग लेने के लिए धन्यवाद दीजिए |

सरलीकृत नोट्स

- विद्यार्थियों को कक्षा में और भी सहज करने के लिए आप खेल से बाहर हो चुके बच्चों को संगीत चलाने और अचानक से बंद कर देने का काम दे सकते हैं।
- कुछ शर्मीले विद्यार्थियों की हिचक खोलने के लिए आप उनसे कुछ प्रश्न जैसे - “आपको सबसे ज्यादा अच्छा क्या करना पसंद हैं” या “आपकी सबसे पसंदीदा फिल्म या किताब कौन-सी हैं” इत्यादि प्रश्न पूछ सकते हैं।

- ऐसे विद्यार्थियों से उनके अनुभवों के बारे में पूछिए जिन्होंने कचरे या बेकार चीजों से हस्तशिल्प उत्पाद बनते देखा हों |
- भारत की पारंपरिक अपसाइक्लिंग कलाओं जैसे "कांथा" के विषय में चर्चा कीजिए
- विद्यार्थियों से कहिए कि वे अपसाइक्लिंग की परिभाषा बताए
- छात्रों को कुछ समय दें और सर्वोत्तम परिभाषा सुझाने के लिए उन्हें आपस में चर्चा करने दें।
- विद्यार्थियों से अपसाइक्लिंग के लाभों का वर्णन करने के लिए कहें।
- अपसाइक्लिंग आर्टिज़न द्वारा उपयोग की जाने वाली कुछ सामान्य सामग्रियों को कक्षा में दिखाएं।
- विद्यार्थियों से अपसाइक्लिंग उत्पादों के कुछ नमूने लाने के लिए कहें जो उनके घर पर मिल सकते हों।

अभ्यास

I. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. एक क्यूपी में क्या-क्या लिखा होता हैं?

उत्तर: क्यूपी (योग्यता पैक) में एनओएस का एक सेट दिया गया होता हैं, साथ ही में प्रशिक्षण संबंधी जानकारियाँ और कार्य की भूमिका निभाने के लिए आवश्यक अन्य मानदंड भी इसमें दिए गए होते हैं। क्यूपी को एक अलग क्यूपी कोड से चिह्नित किया जाता है। एनओएस सिर्फ भारतीय उद्योगों के संदर्भ में ही विशिष्ट रूप से बना होता है।

2. एनओएस क्या संदर्भित करता हैं?

उत्तर: एनओएस (राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक) कार्यस्थल पर किसी भी कार्य को करते समय किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त किए जाने वाले प्रदर्शन के मानकों को निर्दिष्ट करता है। इसमें वह ज्ञान और समझ स्पष्ट की गई होती हैं जिसकी आवश्यकता हमें इन मानकों की आवश्यकताओं को लगातार पूरा करते रहने के लिए होती हैं। व्यावसायिक मानक, भारतीय और वैश्विक दोनों संदर्भों में लागू होते हैं।

3. अपसाइक्लिंग क्या होती हैं?

उत्तर: अपसाइक्लिंग को अपशिष्ट पदार्थ के रचनात्मक पुन: उपयोग के रूप में भी जाना जाता है। यह अपशिष्ट सामग्री कोई भी सामग्री हो सकती हैं जैसे; लकड़ी का स्क्रैप या अपशिष्ट, धातु का स्क्रैप, ग्लास स्क्रैप, रबर स्क्रैप या यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी अपसाइक्लिंग के लिए उपयोग हो सकता हैं। इन अपशिष्ट पदार्थों को कलात्मक वस्तु या पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त वस्तु में बदलने के लिए अपसाइक्लिंग की जाती है।

4. अपसाइक्लिंग के क्या लाभ हैं?

उत्तर:

- लैंडफिल में जाने वाली सामग्री में कमी लाने के लिए। लैंडफिल यानि कूड़े के पहाड़ आज के समय में गंभीर चिंता का विषय है। क्योंकि अपशिष्ट की सभी सामग्री आसानी से विघटित नहीं हो पाती हैं जैसे; पॉलिएस्टर इत्यादि कुछ सिन्थेटिक वस्त्र लैंडफिल में गलने में कम-से-कम 20 से 200 साल ले सकते हैं।
- प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी को कम-से-कम करना। पुनःचक्रण या अपसाइक्लिंग से प्राकृतिक संसाधनों, जैसे; पानी, पेड़ इत्यादि संसाधनों पर उत्पादन भार कम हो जाता हैं। उदाहरण के लिए: एक साधारण शर्ट बनाने के लिए लगभग 2500 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।
- कलात्मक काम और पुराने शिल्पों का पुनः अनुसरण करना। अपसाइक्लिंग से पारंपरिक कला और शिल्प को प्रदर्शित करने के नए अवसर मिल सकते हैं जिससे कारीगर को भी अपनी कला दिखने के अवसर मिलते हैं।
- सामग्री लागत में कमी। चूँकि, अपसाइक्लिंग के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री अपशिष्ट पदार्थ ही होती हैं इसलिए, इसकी लागत नई सामग्री की तुलना में बहुत कम होती है। इस प्रकार कच्चे-माल की लागत में कमी के फलस्वरूप अंतिम उत्पाद की लागत भी कम ही होती हैं।

यूनिट 1.2: पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न की कार्य-भूमिका

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. पेपर मैश आर्टिज़न के कार्य-क्षेत्र का वर्णन कीजिए
2. पेपर मैश आर्टिज़न के लिए मौजूद अवसरों की पहचान कीजिए

बोलिए

- पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न पेपर कटिंग यानि कागज़ को काटने, कागज़ भिगोने आदि शुरूआती प्रक्रियाओं से लेकर उत्पाद निर्माण की तैयारी से संबंधित विभिन्न चरणों से गुजरने वाले पेपर पल्प से सखता बनाने इत्यादि कामों के लिए जिम्मेदार होता है।
- खरीदार के नमूने और/या आत्म-ज्ञान के अनुसार अभिनव डिजाइन बनाने के लिए सखता निर्माता को कड़ी मेहनत के साथ काम करना आना चाहिए।
- उसे जिज्ञासु, धैर्यवान, सामग्री का कुछ ज्ञान रखने वाला और स्थिर हाथ रखने वाला होना चाहिए।
- भारत के साथ-साथ फ्रांस, जापान, अमेरिका, इटली और कई अन्य देशों में पेपर मैश आर्टिसन के लिए अच्छे अवसर मौजूद हैं |
- पेन होल्डर (कलामदानी), ज्वैलरी बॉक्स, टिश्यू होल्डिंग रिंग, सजावटी सामान, आभूषण आदि जैसे पेपर मैश कला का उपयोग करके वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन किया जाता है।

सरलीकृत नोट्स

- आप विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं कि वे पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न के बारे में क्या जानते हैं।
- विद्यार्थियों से यह पूछिए कि पिछले पाँच वर्षों में पेपर मैश उत्पादन क्षेत्र में क्या-क्या बदलाव आए हैं और उन्हें उत्तर सोचने के लिए पर्याप्त समय दीजिए।
- पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न का कार्य-क्षेत्र, कार्य-भूमिका तथा उससे संबंधित अन्य जानकारियों का विवरण दीजिए।
- पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न द्वारा निर्मित कुछ उत्पादों के नमूने दिखाइए।
- विद्यार्थियों से देश तथा विदेशों में पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न के लिए मौजूद अवसरों की पहचान कीजिए।

पूछिए

- विद्यार्थियों से किसी संस्था में पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न द्वारा निभाई जाने वाली जिम्मेदारियों के बारें में पूछिए।
- विद्यार्थियों से पेपर मैश उत्पाद निर्माण कला के इतिहास के बारे में पूछिए और उन्हें इस पर जानकारी निकालने का समय दें।

अभ्यास

I. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न का क्या कार्य होता हैं?

उत्तर: पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न पेपर कटिंग यानि कागज़ को काटने, कागज़ भिगोने आदि शुरूआती प्रक्रियाओं से लेकर उत्पाद निर्माण की तैयारी से संबंधित विभिन्न चरणों से गुजरने वाले पेपर पल्प से सखता बनाने इत्यादि कामों के लिए जिम्मेदार होता है।

2. पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न बनने के क्या-क्या लाभ हैं?

उत्तर: पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न बनने के निम्नलिखित लाभ हैं:

- विशेष नवीन डिजाइन के पेपर मैश उत्पाद की देशीय बाजारों और विदेशों में अच्छी मांग मिलती हैं
- इन उत्पादों के डिजाइन और टेक्स्चर को बहुत ही कम खर्च में बदला जा सकता हैं
- थोड़ा-सा खर्च करके ही इन उत्पादों के मूल्य में वृद्धि की जा सकती हैं
- पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न की विदेशी तथा देसी दोनों ही बाजारों में अच्छी मांग हैं
- पेपर मैश प्रोडक्ट्स आर्टिज़न अपने ही देश में तथा विदेशों में भी एक कलाकार के अलावा एक प्रशिक्षक के रूप में भी कार्य कर सकता हैं और अन्य लोगों को भी इस कला को सीखा सकता हैं

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

Handicrafts and Carpet
Sector Skill Council

2. साख्ता (कागज़ की लुगदी) बनाना

यूनिट 2.1 – कागज़ की लुगदी बनाना
यूनिट 2.2 –पेपर मैश उत्पाद बनाना

HCS/N4401

सीखने के प्रमुख परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे रबड़ के दस्तानों का सबसे उपयुक्त उपयोग स्पष्ट कीजिए
2. एक उचित बर्तन में (जैसे ड्रम) कागज़ की पट्टियाँ डालिए
3. कागज़ को अच्छे से डूबोने के लिए ड्रम में पर्याप्त मात्रा में पानी डालिए
4. 3-4 दिनों तक इन्हें डूबोए रखें
5. डूबे हुए कागज़ को बाहर निकाल लें और इसे एक पत्थर की ओखली में डाल दें
6. भीगे हुए कागज़ को लकड़ी के मूसल से कूटें।
7. पिसी हुई सामग्री को धूप/छाया में रखें ताकि यह खुले वातावरण में आंशिक रूप से सूख सकें।
8. चावल के आटे को पानी में घोलकर और गरम करते हुये मिलाते हुए एक चिपचिपा घोल (अटिजी) बना लें
9. इस अटिजी को कागज़ के आंशिक रूप से सूखे अर्ध-ठोस पिसे हुए पेस्ट के साथ मिलाएं।
10. आवश्यकतानुसार डिजाइन को पहचानें और कागज़ से आकृति दें।
11. पेपर मैश शेप फॉर्मर यानि साँचे का इस्तेमाल भी आकृति देने के लिए किया जा सकता हैं के लिए साधारण पेपर को सेपरेटर के रूप में रखें। ताकि अतिरिक्त सूखे कागज़ को अटिजी की मदद से साँचे के तले में चिपकाया जा सकें जिससे लुगदी चिपके नहीं।
12. आकार के अनुसार पेपर मैश के उत्पाद बनाने के लिए सेपरेटर के ऊपर कागज़ की लुगदी डालते रहें।

यूनिट 2.1: कच्चा-माल सामग्री तथा ट्रैसिंग की तैयारी करना

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. आवश्यकतानुसार उपयुक्त पीपीई जैसे रबर के हाथ के दस्ताने की पहचान करें और उनका उपयोग करें।
2. उपयुक्त पात्र (ड्रम) में कागज की पट्टियों को रखें।
3. ड्रम में कागज को भिगोने के लिए पर्याप्त पानी डालें।
4. इसे 3-4 दिनों तक भीगने दें।
5. भीगे हुए कागज को हटा दें और इसे पत्थर के मोर्टार में स्थानांतरित करें।
6. कागज़ को लकड़ी के मूसल से कूटें।
7. पिसी हुई सामग्री को धूप/छाया में रखें ताकि यह खुले वातावरण में आंशिक रूप से सूख सके।
8. चावल के आटे को पानी में घोलकर और गरम करते हुये मिलाते हुए अलग से चावल का आटा (अटिजी) बना लीजिये.
9. इस अतिजी को कागज के आंशिक रूप से सूखे अर्ध-ठोस पिसे हुए पेस्ट के साथ मिलाएं।

सरलीकृत नोट्स

- कागज़ की लुगदी से उत्पादों को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल सामग्री को कक्षा में दर्शाइए।
- विद्यार्थियों से कागज़ की लुगदी उत्पादों को तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न हाथ के उपकरणों के उपयोगों के बारे में पूछें।
- पेपर मैश उत्पाद बनाने की प्रक्रिया दिखाने के लिए किसी कार्य-शाला के दौरे की व्यवस्था करें।
- विद्यार्थियों से विभिन्न उपकरणों के उपयोग के बारे में पूछें।
- विद्यार्थियों से पेपर मैश उत्पादों में उपयोग होने वाली विभिन्न कच्चा-माल सामग्री का उपयोग करके उत्पाद में दिखने वाले अंतरों को स्पष्ट कीजिए।

2.1.1: पेपर मैश के लिए कच्चा-माल सामग्री

बोलिए

- पेपर मैश उत्पाद निर्माण कला की सुंदरता इस बात में हैं कि यह पर्यावरण के परिप्रेक्ष्य से लाभकारी हैं चूंकि इसके लिए अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल किया जाता हैं। पेपर मैश के लिए कच्चा माल पेपर पेस्ट होता है जिसे विभिन्न स्रोतों से बनाया जा सकता हैं।
- इस सत्र में, हम पेपर मैश उत्पादों को बनाने में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न कच्चे माल सामग्री के बारे में चर्चा करेंगे।

ऐसा कीजिए

- विद्यार्थियों को कच्चा माल सामग्री से परिचित कराएं और प्रत्येक सामग्री के उपयोग के बारे में उनसे पूछिए।
- विद्यार्थियों को सोचने और उत्तर देने के लिए कुछ समय दें।
- विद्यार्थियों को प्रत्येक कच्चे माल के सही उपयोग के बारे में बताएं और पेपर मैश उत्पाद निर्माण के लिए इनका उपयोग स्पष्ट करें।

दर्शाइए

- पेपर मैश से कोई कलाकृति बनाने के लिए किसी चयनित कच्चे माल के प्रसंस्करण का प्रदर्शन करें।

सारांश

- पेपर मैश के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की सूची संक्षेप में लिखें।

अभ्यास

I. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. अखबार किस प्रकार पेपर मैश उत्पाद निर्माण कला के लिए उपयोगी होता है?
उत्तर: एक मुलायम कागज़ की लुगदी बनाने के लिए अखबार एक अच्छा स्रोत है।

2. अखबार की तुलना में छपाई कारखाने से निकला रद्दी कागज़ उपयोग करने का क्या लाभ हैं?
उत्तर: यह कागज़ अखबार की तुलना में सख्त लुगदी बनाता है।

3. कौन-सा कागज़ कम वजन वाली मुलायम लुगदी तैयार करने में उपयोगी होता है?
उत्तर: टिश्यू पेपर पतले और मुलायम होते हैं इसलिए, वे सामग्री के कम वजन के साथ नरम गूदे का उत्पादन करते हैं। टिश्यू पेपर अलग-अलग रंगों में भी आ सकते हैं। जिससे रंगीन लुगदी तैयार की जा सकती हैं।

4. पेपर मैश उत्पाद निर्माण कला में पार्च्मेन्ट तथा ग्लॉसी पेपर का क्या उपयोग होता हैं?
उत्तर: पार्च्मेन्ट पेपर आम तौर पर भूरे रंग के पेपर बैग में पाया जाता हैं जिसमें एक तरफ चमकदार और दूसरी तरफ खुरदुरी सतह होती हैं। आप किताबों और पत्रिकाओं के कवर पेजों से ग्लॉसी पेपर यानि चमकदार कागज़ भी प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार के कागज़ आम तौर पर जल-रोधी और ग्रीस प्रतिरोधी होती हैं।

5. पेपर मैश उत्पाद निर्माण कला में किस प्रकार के रंग/पेंट का उपयोग किया जाता है?
उत्तर: पेपर मैश उत्पादों को पेंट करने के लिए बाजार में कई तरह के रंग उपलब्ध हैं। पेपर मैश के लिए उपयोग किए जाने वाले रंगों/पेंटों में प्रमुख हैं: वॉटर कलर/ पोस्टर कलर, ऐक्रेलिक कलर/ पेंट और स्प्रे पेंट/एरोसोल कलर इत्यादि।

6. पेपर मैश उत्पाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले ग्लू के प्रकारों पर चर्चा करें।
उत्तर: पेपर मैश उत्पाद बनाने में मुख्य रूप से दो ग्लू या गोंद का उपयोग किया जाता हैं। ये निम्न हैं:
ग्लू स्टिक: ग्लू स्टिक का उपयोग उत्पाद के छोटे भागों को चिपकाने के लिए किया जाता हैं।
सफेद गोंद / पीवीए गोंद: सफेद गोंद या पीवीए गोंद का उपयोग बड़े सतह क्षेत्र में आसंजन प्रदान करने के लिए किया जाता है। आप इस गोंद में ब्रश डुबो सकते हैं और फिर इसे बड़े सतह क्षेत्र में फैला सकते हैं।

7. पेपर मैश की कलाकृति उत्पाद बनाने में टेप के उपयोग का वर्णन करें।
उत्तर: पेपर मैश में टेप कई उद्देश्यों के लिए उपयोगी सिद्ध होती हैं। पारदर्शी टेप उत्पाद के छोटे भागों को जलरोधी बना सकती हैं। वे उत्पाद को मज़बूत भी बना सकती हैं। टेप पेपर मैश उत्पाद पर किनरियों या दरारों जैसे कुछ हिस्सों को छुपा सकती हैं।

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं कि असत्य |

1. पोस्टर कलर का उपयोग वॉटर कलर की तरह किया जा सकता हैं चूंकि, इनसे पैंट बनाने के लिए इनमें पानी मिलाया जाता हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐
2. पार्च्मेन्ट पेपर एक ऐसा कागज़ होता हैं जिसकी एक सतह चिकनी और दूसरी सतह खुरदुरी होती हैं।
   सत्य ■ असत्य ☐
3. अक्रिलिक कलर एक बार सूखने के बाद जलरोधी हो जाते हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐

नोट्स

2.1.2: औज़ार तथा उपकरण

बोलिए

- पेपर मैश आर्टिज़न को काम करने के लिए किसी भारी मशीनरी या उपकरणों के बड़े सेटअप की आवश्यकता नहीं होती हैं। पेपर मैश आर्टिज़न के लिए सामान्य घरेलू उपकरण भी पर्याप्त रहते हैं।
- इस सत्र में, हम पेपर मैश उत्पाद निर्माण कार्य के लिए उपयोग किए जाने वाले कुछ सामान्य औजारों और उपकरणों के बारे में जानेंगे।

ऐसा करिए

- विद्यार्थियों को उनके कार्यों के अनुसार उपकरणों की व्यवस्था करने के लिए कहिए।
- विद्यार्थियों से विभिन्न उपकरणों के उपयोग के बारे में पूछें और उनके उपयोग की विधि भी पूछिए।

दर्शाइए

- विभिन्न सुरक्षा उपकरणों के कार्य और उपयोग का प्रदर्शन करें।
- काटने के विभिन्न उपकरणों की कार्य-पद्धति और उपयोग का प्रदर्शन करें।
- विभिन्न मापने और गणना करने वाले उपकरणों की कार्य-पद्धति और उपयोग का प्रदर्शन करें।
- विभिन्न विद्युत उपकरणों की कार्य-पद्धति और उपयोग का प्रदर्शन करें।
- विभिन्न मिश्रण उपकरणों की कार्य-पद्धति और उपयोग का प्रदर्शन करें।
- विभिन्न पेंटिंग टूल्स की कार्य-पद्धति और उपयोग को प्रदर्शित करें।

सारांश

- विभिन्न औज़ारों और उपकरणों के उपयोगों को सारांशित करें।

व्यावहारिक

- विद्यार्थियों को एक साथ इकट्ठा होने के लिए कहें।
- गतिविधि के उद्देश्य और अवधि की व्याख्या करें।
- अनुशासन और अपेक्षित कार्यों से संबंधित दिशानिर्देश निर्धारित करें।

कौशल अभ्यास	समय	स्त्रोत
पेपर मैश उत्पाद निर्माण में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और औजारों की कार्य-पद्धति और उपयोग को प्रदर्शित करें	8 घंटे	दस्ताने, सुरक्षात्मक चश्मे, मुखौटा, थिम्बल, कैंची, चाकू और कागज़ काटने वाले ब्लेड, रबर मैट, पेपर पंच, सुई, स्टेपलर, मापने और चिह्नित करने के उपकरण, बिजली के उपकरण, मिश्रण उपकरण, पेंटिंग उपकरण इत्यादि

ऐसा कीजिए

- सभी उपकरणों को उनके कार्य के अनुसार टेबल पर व्यवस्थित करें। उदाहरण के लिए, सभी काटने के औजारों को एक साथ रखें।
- एक-एक करके उपकरण चुनें और उनका सही उपयोग प्रदर्शित करें।

अभ्यास

I. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. पेपर मैश के लिए सामग्री मिलाने का काम करते समय कारीगर को हाथों में_____पहनना चाहिए।

उत्तर: दस्ताने।

2. परफ्यूम या रासायनिक घोल पर काम करते समय जो बड़ी मात्रा में सूंघने पर खतरनाक हो सकता है, कारीगर द्वारा_____ पहना जाना चाहिए।

उत्तर: मास्क।

3. यदि हाथ से सिलाई का काम किया जाए तो, कारीगर को अंगूठे में _____पहनना चाहिए।

उत्तर: थिम्बल

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं कि असत्य |

1. मोटे कागज़ को काटने से कैंची की धार खराब हो सकती हैं इसीलिए, आपकों इसे तराशते रहना चाहिए।

   सत्य ■ असत्य ☐

2. साख्ता बनाने के लिए सामग्री, पानी और अन्य पदार्थों को मिलाने के लिए आप घर की रसोई के बर्तन का ही उपयोग कर सकते हैं |

   सत्य ■ असत्य ☐

2.1.3: कागज़ की लुगदी तैयार करना

बोलिए

- पेपर पल्प यानि कागज़ की लुगदी तैयार करने में दो प्रमुख प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं: पहला, पेपर स्ट्रिप्स को आधी गीली स्थिति में लेकर आने तक और चावल के आटे या अन्य किसी चिपचिपे आटे का उपयोग करके प्राकृतिक गोंद तैयार करना।
- इस सत्र में, हम पेपर मैश कला उत्पाद बनाने के लिए पेपर पल्प तैयार करने में शामिल सभी चरणों के बारे में जानेंगे।

ऐसा कीजिए

- विद्यार्थियों से कागज़ के टुकड़े काटकर लुगदी बनाने के लिए आवश्यक कच्चे माल की व्यवस्था करने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से अटिजी बनाने के लिए उपकरनों और सामग्री की व्यवस्था करने के लिए कहिए।

दर्शाइए

- पेपर पल्प बनाने के लिए कागज के टुकड़े और अटिजी तैयार करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।

चरण

कागज़ के टुकड़े तैयार करना

1. पेपर मैश के काम के लिए पहले एकत्र किए गए समाचार पत्र या अन्य पेपर स्क्रैप लें। सुनिश्चित करें कि आपकी कलाकृति के आकार के आधार पर यह पर्याप्त हों।

2. अब कागज़ के छोटे-छोटे स्ट्रिप्स काटिए। आप, आवश्यकता अनुसार अंतिम उत्पाद के आधार पर कागजों को किसी भी आकार में काट सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप पेपर मैश उत्पाद को गोलाकार बनाना चाहते हैं तो स्ट्रिप्स को मोटा-मोटा कांटा जा सकता हैं ताकि उत्पाद के आधार पर समरूपता बनाई रखी जा सकें।

3. एक डब्बे या कंटेनर को पेपर स्ट्रिप्स से कम से कम ¼ स्तर तक भर लीजिए।

4. किसी बाल्टी में थोड़ा गर्म पानी डालिए। यह पानी कम-से-कम इतना तो होना ही चाहिए कि बर्तन में भरी सारी कागज़ की पत्तियां अच्छे से डूब जाए। (कंटेनर का ¼ भाग)

5. अब पानी को ठंडा होने दें और किसी लकड़ी के चमचे से कागजों को पीस लें।

6. कागजों को और भी अच्छे से पीसने के लिए किसी मिक्सी में भी इन्हें पीसा जा सकता हैं।

अटिजी गोंद तैयार कीजिए

1. अगर आपके पास ब्लेंडर है और चावल के आटे की जगह चावल हैं तो चावल को पानी के साथ ब्लेंडर में डालें और इन्हें पीस लीजिए। 1 ½ कप चावल के लिए आपको 2 ½ कप पानी की आवश्यकता होगी। अगर आपके पास चावल का आटा है तो पानी मिलाकर गाढ़ा घोल बना लीजिए।

2. चावल का पेस्ट पीस लेने के बाद इस पेस्ट को एक गर्म पैन में डालें और 5 मिनट तक उबालें। जब पेस्ट गाढ़ा और पारदर्शी हो जाए तो यह गोंद के रूप में उपयोग करने के लिए तैयार हो जाएगा।

3. पहले इस घोल को ठंडा होने दें और फिर इसकी जांच करने के लिए इसे एक छोटे से कागज़ के टुकड़े पर लगाकर देखिए।

अटिजी गोंद को कागज़ के टुकड़ों संग मिलाइए

1. लकड़ी के मूसल का उपयोग करके, कागज के गीले टुकड़ों को धूप में तब तक कूटकर तथा फैलाकर सुखाइए जब तक कि वे आंशिक रूप से सूख न जाएं।
2. आंशिक रूप से सूखे हुए कागज़ के टुकड़ों को पहले से तैयार अटिजी गोंद के साथ एक कटोरे में डालें और उन्हें लकड़ी के चम्मच का उपयोग करके अच्छी तरह मिलाएँ। इस प्रकार प्राप्त अंतिम तैयार उत्पाद को पेपर पल्प कहा जाता है और यह स्वाभाविक रूप से चिपकने वाला होता हैं।

सारांश

- कागज़ की लुगदी बनाने की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण दीजिए

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. पेपर पल्प बनाने की दो प्रमुख प्रक्रियाएँ कौन-कौन सी हैं?

उत्तर: पेपर पल्प यानि कागज़ की लुगदी तैयार करने में दो प्रमुख प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं: पहला, पेपर स्ट्रिप्स को आधी गीली स्थिति में लेकर आने तक और दूसरी: चावल के आटे या अन्य किसी चिपचिपे आटे का उपयोग करके प्राकृतिक गोंद तैयार करना।

2. पानी की पट्टियों को भिगोने के लिए बाल्टी या डब्बे में न्यूनतम कितनी मात्रा में पानी भरा जाना चाहिए?

उत्तर: पट्टियों को भिगोने के लिए आपको कम से कम ¼ स्तर तक बर्तन में पानी भरना होगा।

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. आप किसी भी चिपचिपे आटे का उपयोग करके पेपर मैश उत्पाद के लिए गोंद तैयार कर सकते हैं।

   सत्य ■ असत्य ☐

2. आपको कागज़ की पट्टियों से बर्तन के कम-से-कम 3/4 भाग तक भरना होगा ताकि इन्हें अच्छे से भिगोया जा सकें।

   सत्य ☐ असत्य ■

यूनिट 2.2: पेपर मैश उत्पाद बनाना

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. आवश्यकतानुसार उत्पाद डिजाइन को पहचानें और इसे निर्मित कीजिए।
2. पेपर मैश यानि कागज़ की लुगदी को आकार देने के लिए साधारण पेपर को विभाजक के रूप में रखें। अटिजी की मदद से विभाजक को सांचे से जोड़ा जाता हैं ताकि, लुगदी साँचे से चिपके नहीं।
3. उत्पाद के आकार के अनुसार पेपर मैश उत्पाद तैयार करने के लिए सेपरेटर के ऊपर पेपर पल्प डालते हुए साँचे में लगाए।

सरलीकृत नोट्स

- किसी विद्यार्थी से पेपर मैश उत्पाद बनाने की प्रक्रिया प्रदर्शित करने के लिए कहें।
- विद्यार्थी से पेपर मैश बाउल/कटौरी बनाने की प्रक्रिया समझाने के लिए कहें।
- सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यार्थी ने पेपर मैश उत्पाद बनाने के लिए सही पेपर पल्प तैयार किया हों।

2.2.1: पेपर मैश के उत्पाद बनाना

बोलिए

- पेपर मैश उत्पाद बनाने की प्रक्रिया उत्पाद के प्रकार पर निर्भर करती है। कुछ उत्पादों को मूर्तियों की तरह मोल्ड की आवश्यकता होती है। कुछ उत्पादों को जैसे- सजावटी अंडे, लुगदी को चिपकाने के लिए किसी आधार जैसे गुब्बारें इत्यादि की आवश्यकता होती हैं। कुछ उत्पादों को मात्र हाथ से ही बनाया जा सकता हैं और बिना साँचे के ही आकार दिया जा सकता हैं। यहां हम कुछ सामान्य पेपर मैश उत्पाद डिजाइनों पर काम करेंगे, बाकी डिजाइन आपकी रचनात्मकता पर भी निर्भर करता है।
- इस सत्र में, हम विभिन्न पेपर मैश उत्पाद बनाना सीखेंगे।

दर्शाइए

- पेपर मैश से बाउल बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।
- पेपर मैश का उपयोग करके फूलदान बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।

चरण

पेपर मैश से कटोरी बनाना (साँचे के साथ)

1. पेपर मैश की कटोरी बनाने के लिए साँचे के रूप में अपने घर की किसी भी कटोरी का उपयोग करें।

2. कटोरी पर कागज़ की लुगदी का पेस्ट लगाने से पहले कटोरी पर एक पतली प्लास्टिक की पिन्नी लपेट लीजिए ताकि पेस्ट सूखने के बाद कटोरी पर चिपके नहीं और उत्पाद को आराम से अलग किया जा सकें।

3. अब कागज़ की पट्टियाँ लें और उनपर अटिजी गोंद लगाकर कटोरी रूपी साँचे पर लगाइए।

4. पहली कागज़ की पट्टियों की परत लगने के बाद इसको 2 घंटे के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

5. एक बार जब पहली परत सूख जाए तो फिर अपनी इच्छा अनुसार उत्पाद की वांछित मोटाई प्राप्त करने के लिए इसके ऊपर अन्य परतें लगाते रहिए।

6. एक बार जब सारी परतें सूख जाएं तक कटोरी और प्लास्टिक की पन्नी को आराम से निकाल लें पेपर मैश उत्पाद तैयार होगा।

7. अब तैयार उत्पाद (कटोरी) की किनरियों को समान रूप से काटकर इकसार कीजिए।

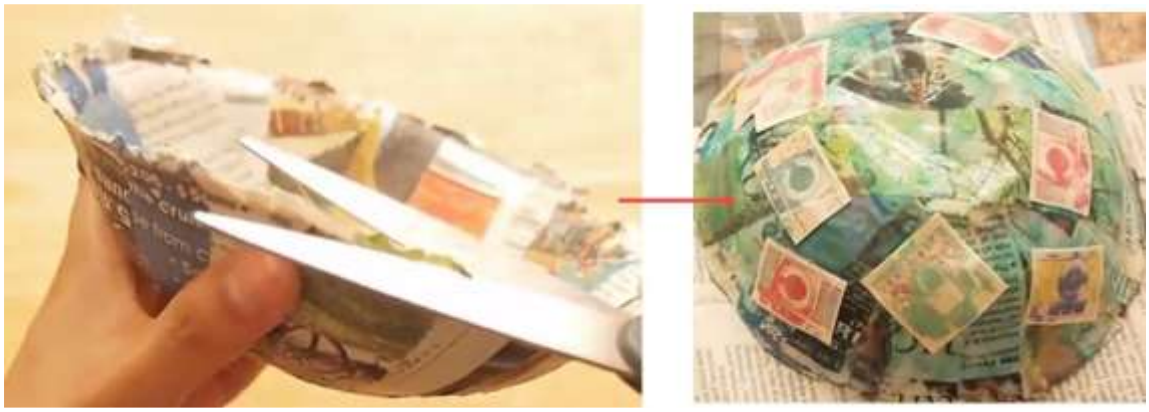

8. अब इस उत्पाद को और भी अधिक मज़बूत बनाने के लिए आप इसके ऊपर वार्निश लगा सकते हैं।

सारांश

- पेपर मैश से कटोरी बनाने की प्रक्रिया का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

व्यावहारिक

- विद्यार्थियों को एक-साथ इकट्ठा होने के लिए कहिए |
- गतिविधियों का उद्देश्य तथा अवधि प्रशिक्षुओं को स्पष्ट कीजिए |
- अपेक्षित कार्यों तथा अनुशासन संबंधी दिशा-निर्देशों को निर्धारित कीजिए |

Skill Practice	Time	Resources
एक पेपर मैश से कटोरी बनाएं और इसपर पेंट से रंग करके सजाइए	8 घंटे	चीनी मिट्टी की कटोरी, पतली प्लास्टिक की शीट या पन्नी, अखबार या कागज़ की पट्टियाँ, अटिजी गोंद, सजावटी कागज, एक्रिलिक पेंट, कैंची, वार्निश इत्यादि

ऐसा करिए

- विद्यार्थियों से कहें कि वे इस सत्र में सिखाए सभी चरणों को करके दिखाए
- सुनिश्चित कीजिए कि प्रत्येक विद्यार्थी उचित गुणवत्ता के उत्पाद तैयार करें

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. कागज की लुगदी से बनी कटोरी बनाने के लिए आप प्लास्टिक/ सिरेमिक के कटोरे का_____के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर: साँचे।

2. आपको प्लास्टिक/ सिरेमिक के कटोरे पर_____लगाने की आवश्यकता होगी। ताकि, कटोरे पर लगाई कागज़ की पट्टियों के सूखने के बाद इसे आसानी से निकाला जा सकें।

उत्तर: प्लास्टिक की एक पतली शीट (पन्नी)।

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. पहली परत सूख जाने के बाद, कागज की और अधिक परतें इसपर लगाएं जब तक कि आपको उत्पाद की वांछित मोटाई न मिल जाए।

सत्य ■ असत्य □

2. आप कटोरे की मजबूती बढ़ाने के लिए उसकी सतह पर वार्निश लगा सकते हैं।

सत्य ■ असत्य □

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

Handicrafts and Carpet
Sector Skill Council

3. कार्य-क्षेत्र तथा औज़ार प्रबंधन

यूनिट 3.1 – कार्य-क्षेत्र प्रबंधन

HCS/N9912

सीखने के प्रमुख परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. सामग्री और उपकरणों को सुरक्षित और सही ढंग से संभालिए और प्रबंधित कीजिए
2. कचरे को कम करने के लिए सामग्री का उचित उपयोग करें
3. एक स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्य क्षेत्र प्रबंधित रखें
4. उपकरणों की उचित देखभाल और प्रबंध करें
5. अपनी जिम्मेदारी के तहत रखरखाव और/या सफाई कार्य करें
6. निर्धारित स्थान पर सुरक्षित रूप से कचरे का निपटान करें
7. उपयोग के बाद साफ़-सफाई संबंधी उपकरणों को सुरक्षित रूप से स्टोर करें
8. शेड्यूल और जिम्मेदारी की सीमा के अनुसार निजी स्तर पर भी साफ़-सफ़ाई सुनिश्चित करें

यूनिट 3.1: कार्य क्षेत्र प्रबंधन

यूनिट उद्देश्य

इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. कार्य-क्षेत्र के उचित प्रबंधन का महत्व समझना
2. कार्य-क्षेत्र प्रबंधन के फायदे समझना
3. कार्य-क्षेत्र प्रबंधन के लिए सही रखरखाव योजना कैसे बनाए?
4. सही रखरखाव के ज़रूरी घटकों की समझ
5. औजारों और सामग्री का सही रखरखाव
6. सामग्री का उचित उपयोग जिससे कोई भी बर्बादी न हो
7. साफ और सुरक्षित कार्य-क्षेत्र का प्रबंधन करना
8. औजारों का प्रबंधन
9. अपने दायित्व के घेरें में सफाई और प्रबंधन कार्य में योगदान देना
10. निश्चित स्थान पर अपशिष्टों का उचित निपटान
11. सफाई के बाद, सफाई के साधनों और औजारों को सावधानी से रखना
12. निश्चित समय तथा कार्य अनुसार सफाई का कार्यान्वयन करना

सरलीकृत नोट्स

- विद्यार्थियों को बताएं कि उन्हें अपने कार्यस्थल का प्रबंधन ठीक से क्यों करना चाहिए।
- विद्यार्थियों से कार्यस्थल के उचित प्रबंधन के लाभों के बारे में पूछें।
- संस्थान में अच्छे हाउसकीपिंग कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए विद्यार्थियों को समय दें।
- विद्यार्थियों से कार्य क्षेत्र प्रबंधन करने के लिए कहें।

3.1.1 कार्य-क्षेत्र प्रबंधन के कारण

बोलिए

- कार्यस्थल की सफाई का मतलब सिर्फ चमकते फर्श और दीवारें नहीं होता है, यह सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण के साथ-साथ श्रमिकों के लिए भी स्वस्थ परिवेश होता है |
- सिर्फ वर्ष 2015 में ही करीबन 3 मिलियन गैर-जानलेवा कार्य-क्षेत्र दुर्घटनाएं और बीमारियाँ निजी उद्योग नियोक्ताओं द्वारा रिपोर्ट करवाई गई थीं | साफ़, सुरक्षित कार्य-क्षेत्र के उचित प्रबंधन से कई दुर्घटनाओं से बचा जा सकता हैं |

पूछिए

- विद्यार्थियों से कहें कि वे कार्यस्थल को ठीक से प्रबंधित करने के लाभों की सूची बनाएं।
- विद्यार्थियों से कार्यस्थल के प्रबंधन के कारणों के बारे में पूछें।

सारांश

- कार्यस्थल को ठीक से प्रबंधित करने के लाभों और कारणों का संक्षिप्त विवरण दीजिए |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q1 कार्य-क्षेत्र को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के कुछ कारण बताइए।

उत्तर: कार्यस्थल की सफाई का मतलब सिर्फ चमकते फर्श और दीवारें नहीं होता है, यह सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण के साथ-साथ श्रमिकों के लिए भी स्वस्थ परिवेश होता है | साफ़, सुरक्षित कार्य-क्षेत्र के उचित प्रबंधन से कई दुर्घटनाओं से बचा जा सकता हैं |

Q2 कार्य-क्षेत्र परिवेश को उचित प्रकार प्रबंधित करने के क्या लाभ हैं?

उत्तर: प्रभावी कार्यस्थल प्रबंधन के परिणाम:

1. व्यवस्थित तथा साफ़-सुथरे कार्य क्षेत्रों में दुर्घटनाओं से बचा जा सकता हैं।
2. स्वास्थ्य संबंधी खतरों में कमी
3. जोखिम-पूर्ण पदार्थों (जैसे: धूल, वाष्प) से कर्मचारियों का संपर्क कम-से-कम करना।
4. उपलब्ध क्षेत्र का उचित तथा प्रभावी उपयोग।

Q3 अच्छी हाउस्कीपिंग योजना के मुख्य तत्व कौन-कौन से हैं?

उत्तर: अच्छी हाउस कीपिंग के लिए मुख्य तत्व इस प्रकार हैं:

क) धूल और गंदगी हटाना ख) सतहें साफ़ रखना ग) अच्छी प्रकाश व्यवस्था घ) साफ़-सुथरे रास्ते ङ) चीजों को गिरने और फैलने से रोकना च) औज़ार तथा उपकरण

Q4. औजारों और उपकरणों के प्रभावी भंडारण और रखरखाव के लिए कुछ युक्तियों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर: अपने औजारों को साफ-सुथरा रखें। उपकरणों को नियमित रूप से साफ करना उनके उचित कार्य क्षमता को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होता हैं। बिजली के तारों को सुरक्षित रूप से प्रबंधित रखें। ऊपर या फर्श पर मौजूद तारों को भी उचित दूरी पर रखें ताकि कोई दुर्घटना उत्पन्न ना हों और किसी भी चीज़ से अटके नहीं। निम्न कार्य उचित औज़ार प्रबंधन में कारगर हैं:

क) औजारों में तेल डालिए
ख) उपकरणों का उचित अंतराल पर निरीक्षण कीजिए
ग) औजारों का सुरक्षित रूप से भंडारण कीजिए

Q5. दो प्रकार के प्रबंधन तरीकों के नाम लिखिए |
उत्तर: दो प्रकार के प्रबंधन तरीके: क) नियमित प्रबंधन b) सुधारात्मक प्रबंधन

Q6. कार्य-क्षेत्र के प्रभावी प्रबंधन के कारणों का उल्लेख कीजिए |
उत्तर: कार्यस्थल की सफाई का मतलब सिर्फ चमकते फर्श और दीवारें नहीं होता है, यह सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण के साथ-साथ श्रमिकों के लिए भी स्वस्थ परिवेश होता है |

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं कि असत्य |

1. किसी बड़े नुकसान की भरपाई की लागत की तुलना में नियमित रखरखाव की लागत बहुत कम होती है।
   सत्य ■ असत्य ☐
2. सही प्रकाश व्यवस्था से कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता हैं।
   सत्य ■ असत्य ☐
3. फर्श को सूखा रखने के लिए अच्छे दरी-पायदान और पौंचा इस्तेमाल कीजिए |
   सत्य ■ असत्य ☐
4. संकीर्ण और जोखिमपूर्ण जगहों में वैक्युम, ब्लो-डाउन क्लीनर और पानी की धार इत्यादि का इस्तेमाल किया जा सकता हैं |
   सत्य ☐ असत्य ■
5. सीढ़ियों तथा गलियारों में अच्छी प्रकाश व्यवस्था की जरूरत नहीं होती हैं |
   सत्य ☐ असत्य ■
6. अगर कुछ गिर जाए तो, उसे तुरंत ही साफ़ कीजिए |
   सत्य ■ असत्य ☐
7. प्लास्टिक के बजाए कपड़े के थैलों का उपयोग करके अपशिष्ट को कम किया जा सकता हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐
8. सभी सामग्रियों का भंडारण अग्नि सुरक्षा संहिता के अनुसार ही होना चाहिए |
   सत्य ■ असत्य ☐

3.1.2 अच्छी हाउसकीपिंग प्रोग्राम योजना बनाना

बोलिए

- जब आप हाउसकीपिंग प्रोग्राम बना रहे हों तो आपको टूल्स और कच्चे माल के आसान और कुशल भंडारण पर विचार करना चाहिए | आपको अपने कार्य क्षेत्र में उपकरण और कच्चे माल को एक स्थान से लाने और दूसरे स्थान पर ले जाने की भी उचित व्यवस्था करनी चाहिए |
- यदि आप एक अच्छी हाउसकीपिंग योजना का पालन करके कर्मचारियों की दक्षता को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने कर्मचारियों को हाउसकीपिंग में प्रशिक्षित करना बहुत ज़रूरी है |

पूछिए

- विद्यार्थियों से कार्यस्थल के लिए अच्छी हाउसकीपिंग योजना तैयार करने को कहिए।

समझाइए

- हाउसकीपिंग योजना तैयार करते समय ध्यान रखने वाली प्रक्रियाओं और महत्वपूर्ण बिंदुओं की व्याख्या करें।
- एक अच्छी हाउसकीपिंग योजना की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या करें।

सारांश

- एक अच्छी हाउसकीपिंग योजना का संक्षिप्त वर्णन दीजिए।

व्यावहारिक

- छात्रों से कार्य स्थल पर हाउसकीपिंग और सुरक्षा जांच करने के लिए कहें। साथ ही, उन्हें उन चीजों के नोट्स बनाने के लिए कहें जो खतरनाक हो सकती हैं और उनमें सुधार किया जाना चाहिए।

कौशल अभ्यास	समय	स्त्रोत
कार्य क्षेत्र पर सुरक्षा जांच करें और तैयार योजना के अनुसार ही हाउसकीपिंग व्यवस्था करें और नए सुधारों का सुझाव दें।	8 घंटे	सुरक्षात्मक उपकरण जैसे; गॉगल, मास्क, साफ-सफाई के औज़ार, बिजली की जांच यंत्र, दुर्घटना की रिपोर्ट शीट और कार्य-स्थल जांच रिपोर्ट इत्यादि |

ऐसा करें

- सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थी गतिविधियों में भाग लें |
- जो विद्यार्थी गतिविधियों में रूचि ना ले रहें हो उनका मनोबल बढ़ाइए |

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

Handicrafts and Carpet
Sector Skill Council

4. एक सुरक्षित तथा स्वस्थ कार्य-परिवेश बनाकर रखें

यूनिट 4.1 – सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई
यूनिट 4.2 – प्राथमिक-चिकित्सा

HCS/N9913

सीखने के प्रमुख परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. स्टूडियो में कार्य करते समय सामान्य सुरक्षा उपायों की पहचान कीजिए |
2. स्वास्थ्य के लाभों पर चर्चा कीजिए |
3. कार्य-स्थल पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए कारगर उपायों का वर्णन कीजिए |
4. कार्य-स्थल पर होने वाली कुछ आम दुर्घटनाओं का वर्णन कीजिए |
5. कार्य-स्थल पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाए |
6. अग्निशामक को उपयोग करने की प्रक्रिया सीखिए |
7. प्राथमिक-चिकित्सा किट की सामग्री के बारे में जानिए |
8. किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक-उपचार देने के तरीके का वर्णन कीजिए |

यूनिट 4.1: सुरक्षा, स्वास्थ्य और साफ-सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. स्टूडियो में कार्य करते समय सामान्य सुरक्षा उपायों को समझे तथा जाने |
2. स्वास्थ्य के लाभों को जानिए |
3. कार्य-स्थल पर स्वच्छता बनाए रखने के उपायों का वर्णन कीजिए |

सरलीकृत नोट्स

- कार्य-स्थल पर सुरक्षा के महत्व से संबंधित कुछ दैनिक-जीवन के उदाहरण दीजिए |
- पीपीई को कक्षा में मेज़ पर व्यवस्थित कीजिए (व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण) और विद्यार्थियों को इनके उपयोगों को दर्शाने को कहिए |
- कार्य-स्थल पर कार्य करते समय ध्यान योग्य ज़रूरी बातों पर विद्यार्थियों को चर्चा करने को कहिए |
- विद्यार्थियों से उनके अनुसार स्वास्थ्य की परिभाषा पूछिए |
- स्वास्थ्य की सही परिभाषा और इसके महत्व पर चर्चा कीजिए |

4.1.1: सामान्य सुरक्षा नियम

बोलिए

- कुछ सुरक्षात्मक नियम हैं जो सभी प्रकार के उत्पादन कार्यों में समान रूप से लागू होते हैं | जैसे; आपकों कार्य के दौरान कभी भी मदिरापान नहीं करना चाहिए |
- ना तो आपको और ना ही आपके सहकर्मियों को ही सुरक्षा संबंधी नियमों को नज़रअंदाज़ करना चाहिए |

ऐसा करिए

- प्रशिक्षुओं को सुरक्षात्मक नियमों का महत्व स्पष्ट कीजिए
- कक्षा को दो समूहों में विभाजित कीजिए और उन्हें सामान्य सुरक्षा नियमों को एक-एक करके समझाने को कहिए |
- यदि एक समूह नियम बताने में विफल हो जाता हैं तो, दूसरों को मौका दें |
- एन्ग्रेविंग स्टूडियो के लिए सुझाए गए प्रत्येक सही सुरक्षा नियम पर समूह को एक-एक पॉइंट दीजिए |

दर्शाइए

- कक्षा में डेस्कों को इस प्रकार अस्त-व्यस्त रूप से लगा दें कि निकलने की बहुत ही कम जगह बचें |
- अब किसी एक विद्यार्थी को उन डेस्कों के बीच में से भागने के लिए कहिए और किसी एक दूसरे विद्यार्थी को उसके पीछे भागने को कहिए |
- आप देखेंगे कि विद्यार्थी डेस्कों के बीच फंस जाएंगे या उनसे टकरा जाएंगे तब उन्हें यह समझाइए कि जब चीज़े व्यवस्थित नहीं होती तो ऐसा ही होता हैं इसीलिए, कार्य-स्थल को व्यवस्थित रखना बहुत ज़रूरी होता हैं |

चरण: सामान्य सुरक्षा नियम

- समझदारी से काम करें
- स्टूडियो को साफ-सुथरा तथा व्यवस्थित रखें
- सही वेंटीलैशन सुनिश्चित करें
- उपयुक्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराएं और साफ-सफाई के उपकरणों की उपलबद्धता सुनिश्चित कीजिए
- काम के बाद, खाना खाने से पहले और उसके बाद तथा शौचालय जाने के बाद अपने हाथ तथा अन्य दृश्य अंगों को जरूर धोइए |
- अपने स्वास्थ्य तथा सेहत का ध्यान रखिए

सारांश

- सामान्य सुरक्षा नियमों को संक्षेप में समझाइए |

4.1.2: दुर्घटना क्या होती हैं?

बोलिए

- दुर्घटना एक विशिष्ट, अप्रत्याशित, असामान्य और अनपेक्षित बाहरी क्रिया होती है जो किसी विशेष समय और स्थान पर होती है, जिसके कोई स्पष्ट और सापेक्ष कारण समझ नहीं आते, लेकिन उसके दुष्प्रभावों को स्पष्ट ही देखा जा सकता है |

समझाइए

- विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं के प्रकार समझाइए |

दर्शाइए

- कक्षा में चार्ट तथा विडियों के माध्यम से सामान्य रूप से होने वाली दुर्घटनाओं के कुछ उदाहरण दर्शाइए |

सारांश

- विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं के बारे में बताइए तथा उनसे संबंधित सुरक्षा-उपायों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करें |

4.1.3: अग्निशामक यंत्र क्या होता हैं?

बोलिए

- अग्नि-शामक यंत्र अग्नि से सुरक्षा करने वाला उपकरण तथा यंत्र होता हैं जिसे आग को बुझाने तथा नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाता हैं |

समझाइए

- अग्निशामक यंत्रों के प्रकार बताइए
- अग्निशामक यंत्रों के प्रकारों तथा उनके भिन्न-भिन्न उपयोग बताइए
- अग्निशामक यंत्र में उचित दवाब लगाने का महत्व स्पष्ट कीजिए

दर्शाइए

- विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों को कक्षा में दिखाइए
- अग्निशामक यंत्रों के विभिन्न भाग तथा उनकें उपयोगों के बारे में दृश्य उदाहरण द्वारा समझाइए

सारांश

- विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं तथा उनकी रोकथाम के उपायों के बारे में संक्षेप में बताइए |

गतिविधियां

- सभी प्रशिक्षुओं को इकट्ठे होने के लिए कहिए
- इस गतिविधि की अवधि तथा उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए
- प्रशिक्षुओं से अपेक्षित कार्यों तथा अनुशासन संबंधी दिशानिर्देशों के बारें में भी उन्हें बताएं

कौशल अभ्यास	समय	स्त्रोत/ सामग्री
विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का उपयोग कीजिए	6 घंटे	अग्निशामक यंत्र, लकड़ी, प्लास्टिक, विद्युतीय उपकरण और शॉर्ट सर्किट जैसी स्थिति के लिए व्यवस्था और नमूने के रूप में आग लगाने के लिए थोड़ा-सा पेट्रोल

ऐसा करिए

- अब किसी एक प्रशिक्षु को कक्षा में आगे आकर अग्निशामक यंत्र के उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए कहिए
- बाकी प्रशिक्षुओं को सावधानी से दूर खड़े होकर इस प्रक्रिया को देखने को कहिए
- प्रदर्शिनी से पहले खुद यह जांच लें कि प्रशिक्षुओं और अग्नि-स्थल की दूरी उचित हों
- अलग-अलग प्रशिक्षुओं को अलग-अलग अग्नि-शामक यंत्र उपयोग के लिए दीजिए
- किसी खुले स्थान में नमूने के लिए आग लगाइए और फिर अलग-अलग अग्निशामक यंत्रों से उन्हें बुझाने को कहिए

4.1.4: स्वास्थ्य क्या होता हैं?

बोलिए

- स्वास्थ्य से जुड़ी एक बहुत ही प्रसिद्ध कहावत हैं: “स्वास्थ्य ही परम संपत्ति हैं” जिसका अर्थ होता हैं कि यदि कोई स्वास्थ्य हैं तो वह काम करके धन अर्जित कर सकता हैं |
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा परिभाषित किया गया है, स्वास्थ्य "पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति होती है, न कि केवल बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति।"
- इसीलिए, हमें मन, मस्तिष्क तथा शरीर से सदैव स्वस्थ रहना चाहिए |

समझाइए

- प्रतिभागियों को स्वास्थ्य का महत्व समझाइए
- मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के तरीकों का वर्णन कीजिए
- शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के तरीकों का वर्णन कीजिए
- आत्मिक रूप से स्वस्थ रहने के तरीकों का वर्णन कीजिए अर्थात; कार्य तथा कर्मचारियों के प्रति अच्छे विचार एवं भाव रखना

दर्शाइए

- प्रशिक्षुओं को विडियो माध्यम से बुरी आदतों के बुरे-प्रभावों के बारे में बताइए और उन्हें इन्हें छोड़ने के लिए कहिए |

सारांश

- स्वस्थ तथा तंदरूस्त रहने के तरीकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के जवाब दीजिए

1. एक फैक्ट्री में लागू कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न “करें, ना करें” (Do's and Don'ts) नियमों का वर्णन कीजिए |

उत्तर: **ऐसा करें;**

- जब कभी भी आप किसी दुविधा में हों तो अपने प्रशिक्षक से बात करें
- फिसलने जैसी किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए फर्श पर गिरे तेल को तुरंत साफ करें
- काम करने से पहले एम/ सी की जांच अवश्य कर लें

ना करें;

- हैंड-व्हील को चलाने और बंद करने के लिए अपने हाथों का उपयोग् ना करें |
- सुइयों को अपने मुंह में ना रखें और इनके ऊपर सिलाई भी ना करें
- किसी भी मशीन से कोई भी सुरक्षात्मक उपकरण या यंत्र ना निकालें

2. पीपीई क्या होते हैं और पीपीई के लिए प्रयुक्त मुख्य औजारों के बारे में बताइए |
उत्तर: पीपीई किसी भी दुर्घटना और चोट से बचाव के उद्देश्य से बने सुरक्षा उपकरण होते हैं |
सामान्य पीपीई: आँखों की सुरक्षा के लिए, सिर की सुरक्षा के लिए, श्रवण शक्ति की सुरक्षा के लिए, हाथों की सुरक्षा के लिए, श्वास सुरक्षा के लिए इत्यादि |

3. किसी कपड़े की फैक्ट्री में संभावित विभिन्न दुर्घटनाओं का वर्णन कीजिए |
उत्तर: शारीरिक चोट, टक्कर, इत्यादि |

4. विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों तथा उनके उपयोगों का वर्णन कीजिए |
उत्तर: श्रेणी 'ए', प्रज्ज्वलनशील कार्बन आधारित ठोस पदार्थ उदाहरण; कागज़, लकड़ी और कपड़ा |
श्रेणी 'बी', प्रज्ज्वलनशील द्रव्य पदार्थ उदाहरण; पैराफिन, पेट्रोल, डीजल तथा तेल (लेकिन खाना बनाने में प्रयुक्त तेल नहीं)
श्रेणी 'सी', प्रज्ज्वलनशील गैसीय पदार्थ उदाहरण; ब्यूटेन, प्रोपेन तथा मिथेन
श्रेणी 'डी', प्रज्ज्वलनशील मेटल पदार्थ उदाहरण; एल्युमिनियम, लिथीअम तथा मैग्नेज़ीयम
विद्युतीय उपकरणों द्वारा लगने वाली आग (ऐसी घटनाओं को बिजली से उत्पन्न चिंगारी के चित्रीय चिह्न द्वारा दर्शाया जाता हैं) श्रेणी 'ई' में आती हैं |
श्रेणी 'एफ', वसा-आधारित पदार्थ तथा खाद्य तेल सामग्री

5. विभिन्न प्रकार के खतरों का वर्णन कीजिए |
उत्तर: विद्युतीय खतरें, निकीली वस्तुएं, किसी वस्तु के गिरने का खतरा, किसी यंत्र के खराब हो जाने का खतरा, आग लगने का खतरा |

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. एक सुरक्षित कार्य-क्षेत्र बनाने के लिए किसी भी कार्य-स्थल पर सभी जिम्मेदार होते हैं ताकि सभी स्वस्थ तथा सुरक्षित रहें |
   सत्य ■ असत्य ☐
2. किसी पावर एम/ सी मशीन पर सिलाई करते समय कम ऊंचाई वाले जूते पहनिए तथा ढीले कपड़े ना पहने |
   सत्य ■ असत्य ☐
3. कोई भी तकनीकी कार्य किसी विशेषज्ञ या टेक्निशियन द्वारा हो करवाया जाना चाहिए |
   सत्य ■ असत्य ☐
4. अग्निशामक यंत्र को आग से उचित दूरी बनाकर उपयोग किया जाना चाहिए |
   सत्य ■ असत्य ☐
5. स्वच्छ हवा का प्रवाह तथा अच्छा वेंटीलेशन सरदर्द, चक्कर तथा थकान से भी बचाता हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐
6. एम/ सी मशीन को संचालित करने से पहले इसके कवर को अच्छे से बंद कर लें और यह जांच लीजिए कि सुई तथा बॉबिन अच्छे से लगे हों |
   सत्य ■ असत्य ☐

यूनिट 4.2: प्राथमिक-चिकित्सा

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. स्टूडियो में कार्य करते समय होने वाली होने वाली सामान्य दुर्घटनाओं का वर्णन कीजिए
2. दुर्घटनाओं को कम करने के लिए रोकथाम उपाय बताइए
3. अग्निशामक यंत्रों को उपयोग करने की प्रक्रिया बताइए
4. प्राथमिक चिकित्सा किट की सामग्री के विषय में ज्ञान
5. किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक-चिकित्सा देने की विधि की व्याख्या कीजिए

सरलीकृत नोट्स

- कार्यस्थल पर होने वाली कुछ सामान्य दुर्घटनाओं से संबंधित एक चार्ट बनाइए तथा उसे कक्षा में चिपकाइए |
- प्रशिक्षुओं को अलग-अलग स्थितियों के उदाहरण देकर विभिन्न दुर्घटनाओं से संबंधित विभिन्न उपचार उपायों का वर्णन कीजिए |
- दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ज़रूरी उपचरात्मक उपायों के बारे में विद्यार्थियों से पूछिए |
- प्रदर्शिनी के लिए विभिन्न प्रकार के अग्निशामक उपकरणों की व्यवस्था कीजिए |
- विद्यार्थियों से कहिए कि वे अग्निशामक यंत्र कैसे कार्य करते हैं इसके बारे में बताए |
- विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा किट बनाए या फिर उन्हीं को यह गतिविधि करने को दें |
- प्राथमिक-चिकित्सा किट के विभिन्न घटकों पर विद्यार्थियों को एक चार्ट बनाने को कहिए |
- अब कक्षा में काल्पनिक रूप से किसी दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न कीजिए और विद्यार्थियों से उसी अनुरूप प्राथमिक उपचार देने को कहिए |

4.2.1: प्राथमिक-चिकित्सा तथा प्राथमिक-चिकित्सा किट

बोलिए

- प्राथमिक उपचार वह सहायता है जो किसी अचानक से बीमार पड़े या चोटिल व्यक्ति के जीवन को बचाने, स्थिति को बिगड़ने से रोकने, या स्वास्थ्यलाभ देने के लिए प्रदान की जाती है।
- प्राथमिक चिकित्सा, किट टूल किट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दुर्घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं इसलिए प्राथमिक चिकित्सा किट हमेशा टूलबॉक्स में उपलब्ध होनी चाहिए।

समझाइए

- प्राथमिक चिकित्सा किट का महत्व स्पष्ट कीजिए |
- विभिन्न स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा विधियों को समझाइए |

दर्शाइए

- विभिन्न स्थितियों में प्राथमिक उपचार उपायों को दर्शाइए |

सारांश

- प्राथमिक चिकित्सा किट तथा विभिन्न स्थितियों में उनकी उपयोग विधियों की व्याख्या कीजिए |

भूमिका निभाना

- विद्यार्थियों को इकट्ठा होने के लिए कहिए
- 2-2 बच्चों के समूह बनाइए
- कक्षा में किसी दुर्घटना की एक काल्पनिक स्थिति देकर एक विद्यार्थी को अपने साथी को प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए कहिए |
- इसी तरह, प्रत्येक विद्यार्थी को अलग-अलग दुर्घटनाओं की स्थिति बताकर उनके प्राथमिक-उपचार बताने को कहिए |

कौशल अभ्यास	समय	स्त्रोत
प्राथमिक चिकित्सा देना	8 घंटे	प्राथमिक चिकित्सा किट, नोटबुक

ऐसा करिए

- प्राथमिक-उपचार देने वाले प्रत्येक समूह के प्रदर्शन पर टिप्पणियाँ लिखिए
- एक बार जब भूमिका निभाने की गतिविधि समाप्त हो जाए तो, विद्यार्थियों के प्रदर्शन की अच्छाई तथा बुराई स्पष्ट कीजिए |

4.2.3: व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई)

बोलिए

- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) ऐसे पहनने वाले सुरक्षात्मक कपड़े तथा उपकरण होते हैं जो शरीर को चोट या किसी भी प्रकार के जोखिम और संक्रमण से बचाने के लिए डिज़ाइन किए गए होते हैं, इसके कुछ उदाहरण हैं; हेलमैट, चश्मे या अन्य वस्त्र या उपकरण इत्यादि। सुरक्षात्मक उपकरण विभिन्न खतरों जैसे- भौतिक, विद्युतीय, उच्च ताप, रसायन, जैविक-जोखिम और वायु तथा ध्वनि प्रदूषण इत्यादि।

समझाइए

- पीपीई का महत्व स्पष्ट कीजिए |

दर्शाइए

- व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरणों के विभिन्न घटक दर्शाइए |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Q.1. किसी प्राथमिक चिकित्सा किट की प्रमुख सामग्रियाँ बताइए?

उत्तर: पट्टी, गॉज़, जलने-कटने के लिए उपचार क्रीम, छोटी कैंची, जीवाणुरोधक क्रीम, इत्यादि |

Q.2. कार्यस्थल पर अवांछित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपचरात्मक उपायों का वर्णन कीजिए |

उत्तर: क) उचित दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए वाइरिंग इत्यादि को व्यवस्थित तथा प्रबंधित रखें |

ख) यदि कोई उपकरण अब उपयोग में नहीं हैं तो उन्हें स्विच ऑफ करके रखें |

ग) किसी भी चोट तथा दुर्घटना से बचने के लिए नुकीले औजारों को संभालकर रखिए |

Q.3. कार्य-स्थल की सुरक्षा के लिए कौन जिम्मेदार होता हैं?

उत्तर: एक सुरक्षित कार्य-स्थल विकसित करना सभी कर्मचारियों की आवश्यकता होती हैं इसीलिए, सभी को इस ओर योगदान देना चाहिए |

Q.4. टाइप-बी अग्निशामक यंत्र का उपयोग किसलिए किया जाता हैं?

उत्तर: श्रेणी 'बी' के अग्निशामक यंत्र ज्वलंतशील द्रव्य तथा गैसीय पदार्थों जैसे; तेल, गैसोलीन इत्यादि के लिए उपयोग किया जाता हैं |

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. कार्य को किसी भी कीमत पर जारी रखने के लिए बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के भी जारी रखा जा सकता हैं |

सत्य ☐ असत्य ■

2. अच्छा वेंटीलेशन सरदर्द, थकान तथा चक्कर इत्यादि से बचाता हैं |

सत्य ☐ असत्य ■

3. प्राथमिक-चिकित्सा किसी भी ऐसे व्यक्ति को जो किसी बीमारी या चोट से ग्रस्त हो को दी जाने वाली पहली चिकित्सीय मदद होती हैं जिससे उसकी जान को बचाने और स्थिति सुधारने की कोशिश की जाती हैं |

सत्य ☐ असत्य ■

4. बिजली का झटका किसी व्यक्ति को तब लगता हैं जब उसके शरीर में रक्त नलिकाएं फंट जाती यहीं और त्वचा के भीतर रक्त पहने लगता हैं यह सामान्य से लेकर गंभीर स्थिति का भी हो सकता हैं |

सत्य ☐ असत्य ■

5. शरीर के किसी भी हिस्से में सदमा तब पहुंचता हैं जब उस अंग तक ज़रूरी रक्त संचार नहीं हो पाता हैं |

सत्य ☐ असत्य ■

6. जीवाणुरोधक क्रीम या लेप प्राथमिक उपचार किट की सबसे प्रमुख सामग्री में से एक हैं |

सत्य ☐ असत्य ■

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

Handicrafts and Carpet
Sector Skill Council

5. सहकर्मियों संग सामंजस्य स्थापित करें और एक टीम के रूप में कार्य करें

यूनिट 5.1 – एक टीम के रूप में कार्य करें

HCS/N9908

सीखने के प्रमुख परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में, प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. टीम वर्क के फायदे जानिए।
2. टीम निर्माण के चरणों की पहचान करें।
3. एक टीम में प्रभावी ढंग से काम करने के तरीकों की पहचान करें।
4. कार्यस्थल पर प्रभावी और कुशल प्रदर्शन करें
5. संगठन की नीतियों के बारे में ठीक से संवाद करें
6. टीम के अन्य सदस्यों और सहकर्मियों के साथ विनम्रता से बात करें
7. विभिन्न कार्य स्थितियों में समायोजित करें
8. दूसरों के दृष्टिकोण को उचित महत्व दें
9. परस्पर विरोधी स्थितियों से बचें
10. कार्य प्रक्रियाओं के लिए नए विचार विकसित करना

यूनिट 5.1: एक टीम के रूप में कार्य करना

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट के अंत में प्रतिभागी सक्षम होंगे:

1. टीम वर्क के लाभों के बारे में जानिए
2. एक टीम बनाने के विभिन्न चरणों को जानिए तथा समझिए
3. एक टीम में प्रभावी रूप से कार्य करने के तरीकों को जानिए तथा समझिए

सरलीकृत नोट्स

- विद्यार्थियों को बताइए कि उन्हें एक टीम में कार्य क्यों करना चाहिए
- एक प्रभावी टीम की विशेषताओं के बारे में उनसे पूछिए
- एक टीम के रूप में कार्य करते हुए अधिकतम लाभ प्राप्त करने से संबंधित कुछ टिप्स साझा कीजिए
- एक टीम को गठित करने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए

5.1.1 एक टीम के रूप में कार्य क्यों करें?

बोलिए

- मनुष्यों के जीवित रहने के लिए टीम वर्क बहुत महत्वपूर्ण है। पहले के समय में भी जब मनुष्य गुफाओं में रहते थे और शिकार करते थे तब भी वे अकेले नहीं रहते थे बल्कि झुंड बनाकर रहते थे। जब वे शिकार करने जाते थे, तो, वे हमेशा एक टीम में ही जाते थे।
- वैसे तो, समय बदल चुका है और हम अब गुफाओं में नहीं रहते हैं फिर भी, हमें एक टीम में काम करना पड़ता है क्योंकि ऐसे कई कार्य होते हैं जो एक व्यक्ति अकेला नहीं कर सकता है।
- यहां तक कि हस्तशिल्प व्यवसाय (बड़े पैमाने पर) में भी, आपको वित्त प्रबंधन के लिए एक व्यक्ति की ज़रूरत पड़ेगी, उत्पाद बनाने के लिए एक व्यक्ति की आवश्यकता होगी तथा विपणन कार्य को संभालने के लिए भी एक व्यक्ति की आवश्यकता होगी। इस प्रकार, अलग-अलग कार्य भूमिकाओं के लिए अलग-अलग लोगों को एक साथ काम करना पड़ता हैं। फलत: टीम वर्क को समझना बहुत ज़रूरी होता हैं।

पूछिए

- विद्यार्थियों से कहिए कि वे एक टीम में कार्य करने के लाभों को सूचीबद्ध करें |
- उनसे इस मुद्दे पर चर्चा करने को कहिए कि हस्तशिल्प उद्योग में यदि एकजुट होकर एक टीम के रूप में कार्य नहीं किया जाए तो किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. एक टीम के रूप में कार्य करने के मुख्य लाभ बताइए?

उत्तर: अन्य छात्रों के साथ मिलकर काम करने के कई फायदे होते हैं। एक टीम के सदस्य के रूप में अधिक से अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए निम्न बातों को याद रखें:
सफल और उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों के लिए स्वतंत्र संचार और विचारों तथा सूचनाओं का सकारात्मक आदान-प्रदान बेहद आवश्यक होता हैं। टीम की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें। सभी काम करने के लिए टीम के किसी अन्य सदस्यों की प्रतीक्षा न करें। मिलजुल कर काम करना सीखें। आपकी टीम की सफलता एक दूसरे की मदद करने पर निर्भर करेगी।

2. ऐसा क्यों होता हैं कि कुछ टीम बहुत अच्छा प्रदर्शन करती हैं और कुछ नहीं?

उत्तर: एक टीम में काम करने के लिए आम तौर पर समस्याओं को हल करने और अभिनव समाधान विकसित करने के लिए एक-दूसरों के साथ सहयोग करना शामिल होता हैं। सहयोगी रूप से व्यवहार करने में दूसरों के योगदान को महत्व देना, टीम के सदस्यों के साथ विचार-मंथन करना और काम को कुशलता से पूरा करने के लिए काम को सदस्यों के बीच बांटना शामिल होता हैं।

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. एक सफल तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीम के लिए स्वतंत्र संवाद और विचारों तथा सूचना का सकारात्मक योगदान ज़रूरी नहीं होता हैं |

   सत्य ☐ असत्य ■

2. प्रभावी समय प्रबंधन से तात्पर्य कार्यों को उचित प्राथमिकता देना, उन्हें समयबद्ध तरीके से नियोजित करना और बेहतर उत्पादकता बनाए रखने के लिए कार्य पर ध्यान केंद्रित रखना होता हैं |

   सत्य ☐ असत्य ■

5.1.2 प्रभावी टीम

बोलिए

- सिर्फ एक लक्ष्य के लिए कार्य करने वाले एक समूह को ही टीम नहीं कह देते हैं, एक प्रभावी टीम वह होती हैं जिसका एक निश्चित लक्ष्य होता हैं और उसके सदस्य पूरी शिद्दत से उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए एकजुट रूप से कार्य करती हैं |

ऐसा करिए

- हैंडबुक में वर्णित टीम बनाने की प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए 4 टीमों का गठन कीजिए |
- लकड़ी के खिलौने बनाने के लिए प्रशिक्षुओं को प्रतिस्पर्धा में गतिविधि करने को दें ताकि वे अपना बेहतर से बेहतर प्रदर्शन दे सकें |

सारांश

- टीम बनाने की प्रक्रिया तथा एक टीम में कार्य करने के लाभों का वर्णन कीजिए |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. हमें एक टीम में कार्य क्यों करना चाहिए?

उत्तर: कार्यस्थल पर कर्मचारी व्यक्तिगत विकास और आत्म-उन्नति के लिए भी एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह प्रतियोगिता हर समय सीधी-स्पष्ट या निष्पक्ष और सकारात्मक ही नहीं होती हैं। कुछ कर्मचारी दूसरों की वृद्धि और उन्नति के प्रति ईर्ष्या महसूस करते हैं जिससे कार्यालय का माहौल खराब होता हैं।

2. एक प्रभावी टीम के क्या-क्या गुण होते हैं?

उत्तर: एक प्रभावी टीम के मुख्य गुण निम्न हैं: क) कोचिंग, ख) लक्ष्य, ग) मिलजुलकर काम करना, घ) सहयोग, ड़) प्रोत्साहन, च) समाधान, छ) कौशल, ज) प्रशिक्षण |

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. एक व्यक्ति की तुलना में एक टीम कार्य करने के लिए अधिक प्रभावी सिद्ध होती हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐
2. कंपनी के लिए एक समूह में कार्य करना अधिक लाभकर सिद्ध होता हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐
3. एक टीम में कार्य करने से न सिर्फ कर्मचारियों की प्रतिभाएं निखरकर आती हैं बल्कि कर्मचारियों की कमजोरियों को भी ठीक किया जा सकता हैं |
   सत्य ■ असत्य ☐

5.1.3 अपनी टीम से उत्कृष्ट प्रदर्शन लेना

बोलिए

- एक टीम लोगों का एक समूह होता है और एक समूह को किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक करने के लिए हमेशा एक नेता की आवश्यकता होती है। टीम के लीडर और टीम के सदस्यों से कुछ विशिष्ट भूमिकाओं को निभाने की अपेक्षा की जाती हैं।
- जब आप टीम निर्माण के स्तर पर होते हैं तो, कोई भी व्यक्ति जो टीम के हित के लिए अतिरिक्त समझदारी से कार्य करता है, आमतौर पर, वही टीम का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त होता है। इस पाठ में, आप सीखेंगे कि एक टीम उस स्थिति में जब उसके सदस्य अपना सर्वस्व प्रदर्शन दे रहें हो तो, वह टीम कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती हैं।

समझाइए

टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के कई फायदे हैं। टीम के सदस्य के रूप में अपने अनुभव का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, याद रखें:

- दूसरों द्वारा आपको कार्य के लिए प्रोत्साहित किए जाने की प्रतीक्षा न करें। आपको खुद पहल करनी चाहिए।
- टीम के अन्य सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करें।
- अपनी टीम के सदस्यों के साथ सहयोग करें और निर्देशों का अनुपालन कीजिए।
- अपनी टीम के सदस्यों का सम्मान करें और एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने की कोशिश करें।
- सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने समय का कुशलतापूर्वक उपयोग करें।
- मेहनत करने के लिए हमेशा सकारात्मक रहें।
- अपनी टीम के सदस्यों का नियमित रूप से ध्यान रखें।
- अपने टीम के लीडर से लगातार प्रतिक्रिया लेते रहें।
- दूसरों के साथ विनम्र व्यवहार रखिए।
- कार्य के दौरान कठिन समय में दूसरों को दोष न दें। शांत रहें और दूसरों को टीम के लक्ष्य हासिल करने में मदद करें।

सारांश

- एक टीम में प्रभावी रूप से कार्य करने की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए |

अभ्यास

I. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. जब तक टीम का कप्तान आपको कोई कार्य ना दें तब तक आपकों कोई नया काम नहीं लेना चाहिए |

   सत्य ☐ असत्य ■

2. एक टीम में कार्य करते हुए अपनी टीम के सदस्यों का समय-समय पर हाल-चाल पूछते रहिए |

   सत्य ■ असत्य ☐

3. कठिन समय में, आपको एक-दूसरे पर इल्ज़ाम लगाना चाहिए |

   सत्य ☐ असत्य ■

5.1.4 समूह निर्माण की प्रक्रिया

बोलिए

किसी समूह के निर्माण में मुख्यत: पाँच चरण होते हैं | इन्हें आमतौर पर निम्न प्रकार बताया जाता हैं:

- समूह निर्माण या लोगों को साथ लाना
- मनमुटाव
- मनमुटाव सुलझाना तथा नियमों को मानना
- उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन
- शोक मनाना या टीम का टूटना

समझाइए

- एक समूह निर्माण के विभिन्न चरणों को नीचे वर्णित किया गया हैं:

समूह निर्माण

इस स्तर पर टीम के संभावित नेता द्वारा नए सदस्यों की खोज की जाती हैं और वे एक-दूसरे को जानने के लिए एकत्रित होते हैं। टीम के लिए लोगों को ढूंढते समय जिन उद्देश्यों पर विचार किया जाना चाहिए वे हैं:

- टीम के सदस्यों द्वारा लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की अच्छी समझ
- एक टीम के सदस्यों के कार्य तथा भूमिकाएं
- कार्य-योजना की स्पष्ट जानकारी
- लोगों का व्यवहार समझना

मनमुटाव

इस चरण पर पहुंचते-पहुंचते टीम के सदस्य एक-दूसरे के प्रति अमैत्रीपूर्ण व्यवहार करना शुरू कर सकते हैं या फिर व्यक्तिगत रूप से अपनी सफलता-असफलता को लेकर बहुत गंभीर हो सकते हैं और फलस्वरूप, समूह निर्माण से दूर हट सकते हैं जिससे कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने में दिक्कत हो सकती हैं |

वे निम्न स्थितियों से गुजरेंगे:

- आपसी बहस, अपना मत-बचाव और प्रतिस्पर्धात्मक रवैया
- सफलता को लेकर संशय
- समूह में कम जोश तथा उत्साह का भाव
- समूह के सदस्यों में परस्पर मत-विभाजन
- अधिक कार्य होने से संबंधित चिंता
- समूह विभेद तथा अधिक तनाव

मनमुटाव सुलझाना

इस चरण तक आते-आते टीम के सदस्य एक दूसरे को समझना तथा स्वीकारना शुरू कर देते हैं और टीम के नियमों के साथ-साथ अपने स्वयं के नियमों को गढ़ना भी शुरू कर देते हैं जिससे कार्य सुगमता से पूरा किया जा सकें | इस चरण पर पहुँचने के बाद भावनात्मक संघर्ष तथा मनमुटाव थोड़े कम हो जाते हैं और सभी सदस्य समझदारी का प्रदर्शन करते हैं |

इस स्तर पर टीम के सदस्य कोशिश करेंगे:

- संघर्षों को छोड़कर शांतिपूर्ण माहौल बनाना
- समूह में सभी के लिए विश्वासपूर्ण तथा सम्मानजनक माहौल तैयार करना
- समूह के मुद्दों पर सकारात्मक रूप से चर्चा करना
- दोबारा से मित्रता स्थापित करना
- एक निश्चित भावना तथा लक्ष्य के साथ टीम में एकजुटता का भाव विकसित करना
- समूह का उत्साह बढ़ाकर रखना
- समूह की सीमाओं का अनुपालन करना तथा आवश्यकता अनुसार नए नियम बनाना
- प्रत्येक दिन एक निश्चित तथा संतुलित मात्रा में कार्य को पूरा ज़रूर करें

उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन

इस चरण तक पहुंचते-पहुंचते समूह पूरी तरह से विकसित हो चुका होता हैं, टीम के सदस्य समझदारी से समस्या या संघर्षों को बातचीत कर सुलझाने में सक्षम होते हैं | हालांकि, सभी समूह इस चरण तक नहीं पहुँच पाते और इससे पहले ही कुछ टीम बिखर जाती हैं |

इस चरण पर समूह के सदस्य निम्न कार्य करेंगे:

- समूह की समस्याओं को सुलझाने के लिए इच्छुक
- मनमुटावों को सुलझाने की अच्छी समझ तथा सूझबूझ
- सदस्यों की कमज़ोरियों तथा ताकत को समझना
- स्वयं के व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाना
- अधिक-से-अधिक कार्य को निपूर्णता के साथ समय से पूरा करना

शोक या टीम का टूटना

यह उन समूहों का अंतिम चरण हो जाता हैं जो या तो स्थाई रूप से बनाई गई होती हैं या फिर अपने आंतरिक संघर्षों या मन-मुटावों से उभरने में असफल हो जाती हैं |

सारांश

- समूह निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए |

समूह की गतिविधियां

- टीम के सदस्यों को क्रिकेट, फूटबॉल जैसे किसी भी खेल को खेलने के लिए कहिए और व्यक्तिगत जीत की जगह टीम को जीताने पर ध्यान देने को कहिए |

कौशल अभ्यास	समय	स्त्रोत
समूह निर्माण और एक टीम के रूप में कार्य करना	8 घंटे	खेल अनुसार ज़रूरी उपकरण तथा सामग्री

ऐसा करिए

- विद्यार्थियों को समूह निर्माण में मदद कीजिए
- विद्यार्थियों द्वारा चुने गए खेल के अनुसार ही उपकरणों का चयन कीजिए
- टीम वर्क के आधार पर उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन कीजिए तथा समय-समय पर उन्हें उत्साहित करते रहिए

5.1.5 दिव्यांगजनों के साथ अच्छे से काम करना

बोलिए

- टीम में दिव्यांगजनों के शामिल होने पर बहुत सी भ्रांतियाँ फैल जाती हैं। आमतौर पर, यह मान लिया जाता हैं कि उन्हें अपना काम करने के लिए टीम के अन्य सदस्यों से मदद की आवश्यकता होगी।
- अगर हम यह समझकर कार्य करते हैं कि दिव्यांगजन भी टीम के किसी अन्य सदस्य की तरह ही तरह हैं तो यह टीम के लिए अधिक उत्पादक साबित होगा। PwD (दिव्यांगजन) की अक्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उनकी क्षमताओं पर ध्यान देना बेहतर होता हैं।
- दिव्यांगजनों के साथ बातचीत करते समय कुछ शिष्टाचारों का अनुपालन किया जाना चाहिए जिन पर इस पाठ में चर्चा की जाएगी।

समझाइए

- दिव्यांगजनों के साथ बातचीत करते समय जिन शिष्टाचारों का अनुपालन किया जाना चाहिए उनके कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

संवाद का सुनहरा नियम

- दिव्यांगजनों के साथ-साथ अन्य किसी भी व्यक्ति से संवाद स्थापित करते समय संवाद का सुनहरा नियम यही कहता हैं कि "आपको सभी के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा आप उनकी स्थिति में होने पर अपने साथ चाहते हैं।"
- कुछ भी बात करने से पहले एक बार यह कल्पना करके देख लीजिए कि जब आप अपने सामने वाले दिव्यांगजन व्यक्ति के ही समान स्थिति में हों तो आप अन्य लोगों से कैसी बात सुनना पसंद करेंगे और कौन-सी नहीं।

मदद से पहले पूछ लीजिए

- चूंकि, कोई व्यक्ति विकलांग(दिव्यांगजन) हैं इसका अर्थ यह नहीं कि उसे हर समय किसी-न-किसी की मदद की जरूरत पड़ेगी इसीलिए कोई पूर्वधारणा बनाना उचित नहीं |
- कई बार मदद करने के चक्कर में लोग दिव्यांगजनों के लिए और अधिक समस्या खड़ी कर देते हैं इसीलिए, मदद करने से पहले उनसे एक-बार पूछ ज़रूर लें |
- कई बार दिव्यांगजनों के पास सामान्य जीवन के कई कार्यों को करने के बहुत नायाब तरीके मौजूद होते हैं जिनके बारे में आप कल्पना भी नहीं कर सकते इसीलिए, उन्हें कभी भी कमतर, कमज़ोर या असक्षम ना समझे|

कोई पूर्वधारणा आधारित लेबल ना लगाए

- आपको PwD के साथ बातचीत करते समय किसी भी तरह के लेबल से लेस भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे किसी भी प्रकार की पूर्व-धारणा उभरकर आए। इस प्रकार के लेबलों के कुछ उदाहरण हैं; बधिर, गूंगा, पागल, बौना इत्यादि।
- इन लेबलों का उपयोग करके उन्हें कभी ना बुलाइए बल्कि इसके स्थान पर People First भाषा का उपयोग कीजिए यानि उनके नाम या आदरसूचक सम्बोधन शब्दों का उपयोग कीजिए। इसी प्रकार, किसी को भी पागल कहने के बजाए उसके बारे में "मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति" कहकर बताया या बुलाया जा सकता है।
- आप संवेदनशील उपलब्धि बोधक भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं जो कि PwD के मनोबल को भी बढ़ाएगी जैसे- आप कह सकते हैं, "फलाना व्यक्ति xxxx मानसिक बीमारी से बचकर या जीतकर आया है"।

गैर-ज़रूरी संरक्षण या सांत्वना ना दें

- लेबल के प्रयोग के बाद, यह दूसरी सबसे आम गलती है जो कई बार लोग किसी भी विक्लांगजन के साथ बातचीत करते समय करते हैं।
- इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि विकलांग व्यक्ति भी अन्य किसी भी सक्षम व्यक्ति की ही तरह सम्मान और आदर का हकदार होता है।
- विकलांग व्यक्ति कोई पीड़ित या दयापात्र नहीं होता, वह तो विषम परिस्थितियों का विजेता होता है और आपको उनके साथ उसी तरह व्यवहार करना चाहिए जैसे आप किसी दोस्त के साथ करते हों।

सीधे उन्हीं को संबोधित करके बात करें

यदि किसी विकलांग व्यक्ति के साथ कोई उनकी देखभाल करने वाला मौजूद है या कोई परिवारजन या दोस्त मौजूद हैं तो आपको पहले विकलांग व्यक्ति से ही सीधे बात करने की कोशिश करनी चाहिए और यदि ऐसी स्थिति बनती हैं कि वह व्यक्ति सीधे बात करने में सक्षम नहीं हैं, तभी आप बातचीत करने के लिए उनके साथ मौजूद व्यक्ति से बात करने के लिए जाइए।

- ऐसा करने से विकलांग व्यक्ति को यह समझ में आ जाता है कि आप उसे अपने बराबर ही देखते हैं और उनसे बात करने में इच्छुक हैं।

ऐसा करिए

- कक्षा में मौजूद दिव्यांगजन प्रशिक्षुओं को स्टेज पर आने के लिए कहिए
- फिर दिव्यांगजन प्रशिक्षुओं के साथ अन्य प्रशिक्षुओं को बातचीत करने के लिए कहिए
- दिव्यांगजन प्रशिक्षुओं को विभिन्न कार्य-भूमिकाओं को निभाने के लिए कहिए तथा इस पर चर्चा कीजिए कि वे कैसे साधारण कार्यों को करने के लिए असाधारण तरीकों का उपयोग करते हैं |

सारांश

- दिव्यांगजनों के साथ संवाद स्थापित करने की प्रक्रिया की संक्षिप्त व्याख्या दीजिए |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के जवाब दीजिए

1. दिव्यांगजनों के साथ संवाद स्थापित करने का सुनहरा नियम समझाइए |

उत्तर: दिव्यांगजनों के साथ-साथ अन्य किसी भी व्यक्ति से संवाद स्थापित करते समय संवाद का सुनहरा नियम यही कहता हैं कि "आपको सभी के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा आप उनकी स्थिति में होने पर अपने साथ चाहते हैं।" कुछ भी बात करने से पहले एक बार यह कल्पना करके देख लीजिए कि जब आप अपने सामने वाले दिव्यांगजन व्यक्ति के ही समान स्थिति में हों तो आप अन्य लोगों से कैसी बात सुनना पसंद करेंगे और कौन-सी नहीं।

2. पूर्वधारणा आधारित लेबल-लेस भाषा के उपयोग के कुछ उदाहरण स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: आपको PwD के साथ बातचीत करते समय किसी भी तरह के लेबल से लेस भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे किसी भी प्रकार की पूर्व-धारणा उभरकर आए। इस प्रकार के लेबलों के कुछ उदाहरण हैं; बधिर, गूंगा, पागल, बौना इत्यादि। इन लेबलों का उपयोग करके उन्हें कभी ना बुलाइए बल्कि इसके स्थान पर People First भाषा का उपयोग कीजिए यानि उनके नाम या आदरसूचक सम्बोधन शब्दों का उपयोग कीजिए। इसी प्रकार, किसी को भी पागल कहने के बजाए उसके बारे में "मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति" कहकर बताया या बुलाया जा सकता है। आप संवेदनशील उपलब्धि बोधक भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं जो कि PwD के मनोबल को भी बढ़ाएगी जैसे- आप कह सकते हैं, "फलाना व्यक्ति xxxx मानसिक बीमारी से बचकर या जीतकर आया है"।

3. दिव्यांगजनों की असाधारण क्षमताओं को समझना क्यों ज़रूरी होता हैं, समझाइए |

उत्तर: दिव्यांगजन, आम तौर पर, एक टीम में कार्य करते समय अपने अनुभवों से काम से संबंधित नए विचार और तरीके लेकर आते हैं। आपको उन्हें कोई भी काम सौंपने से पहले विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य करने के उनके तरीके को समझना चाहिए। यदि आप अपनी टीम के लीडर हैं तो, आपको हमेशा दिव्यांगजनों की क्षमताओं को समझते हुए उसी आधार पर सबसे उपयुक्त और सुरक्षित काम उन्हें सौंपना चाहिए।

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. यदि किसी विकलांग व्यक्ति के साथ कोई उनकी देखभाल करने वाला मौजूद है या कोई परिवारजन या दोस्त मौजूद हैं, तो, आपको पहले विकलांग व्यक्ति से ही सीधे बात करने की कोशिश करनी चाहिए |

   सत्य ■ असत्य □

2. दिव्यांगजन, आम तौर पर, एक टीम में कार्य करते समय अपने अनुभवों से काम से संबंधित नए विचार और तरीके लेकर आते हैं।

   सत्य ■ असत्य □

3. विकलांग व्यक्ति कोई पीड़ित या दयापात्र नहीं होता, वह तो विषम परिस्थितियों का विजेता होता है और आपको उनके साथ उसी तरह व्यवहार करना चाहिए जैसे आप किसी दोस्त के साथ करते हों।

   सत्य ■ असत्य □

नोट्स

5.1.6 लिंग संबंधी संवेदनशीलता

बोलिए

- जेंडर संवेदीकरण लोगों को लैंगिक समानता के बारे में जागरूक करने और लोगों को यह समझाने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है कि पुरुषों और महिलाओं के लिए कोई पूर्वनिर्धारित कार्य सीमा नहीं होती है।
- ध्यान दें कि यहां लिंग सेक्स नहीं है। सेक्स मानव की जैविक अवस्था होती है। एक व्यक्ति जिन जैविक स्थितियों और जिन गुप्तांगों के साथ जन्मता है उसी अनुसार महिला, पुरुष, या इंटरसेक्स के रूप में पहचाना जाता है। इस प्रकार सेक्स मानव की शारीरिक संरचना और शारीरिक गुणों को परिभाषित करता है। जबकि जेंडर/लिंग किसी के सेक्स के आधार पर परिभाषित भूमिका और अपेक्षाएं होती हैं जो व्यक्ति के व्यवहार तथा मनोभावों को प्रभावित करती हैं।
- जेंडर/लिंग किसी के सेक्स के आधार पर परिभाषित भूमिका और अपेक्षाएं हैं। सेक्स के आधार पर परिभाषित इन सामाजिक परिभाषाओं के कारण किसी के जीवन के विभिन्न पहलुओं को निर्धारित किया जाता हैं जैसे; ड्रेस कोड यानि उसके कपड़े, दिनचर्या, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अधिकार और यहाँ तक कि अवसर की उपलब्धता भी जेंडर के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

समझाइए

समाज में लिंग अवधारणा का निर्माण

लिंग निर्माण की जड़ें लड़कों और लड़कियों में स्वयं के बारे में जागरूक होते ही शुरू हो जाती हैं। बड़े होते हुए वे कई बार ऐसी बाते सुनते हैं जिससे उनके मन में ये बात बैठा दी जाती हैं कि लड़का और लड़की अलग होते हैं और वे समाज में अलग-अलग भूमिकाएँ निभाते हैं। समाज में ऐसे विभिन्न स्तर हैं जिन पर लैंगिक असमानता सिखाई जाती है, जैसे:

- पारिवारिक स्तर
- विद्यालय में
- धार्मिक स्तर पर
- क्षेत्रीय-सामाजित स्तर पर
- सामुदायिक स्तर पर, इत्यादि |

पितृसत्ता

पितृसत्ता, लैंगिक पूर्वाग्रह से ही उत्पन्न एक सामाजिक व्यवस्था है जो पुरुषों को सामाजिक स्तर पर महिलाओं से श्रेष्ठ मानती है।

- इसी सामाजिक व्यवस्था के कारण पुरुषों को आमतौर पर परिवार का मुखिया माना जाता है, भले ही वे इस काम के लिए अक्षम हों। ऐसा माना जाता है कि पुरुष ही हैं जो परिवार का नाम आगे लेकर जाते है, संपत्ति को वारिस देते हैं और परिवार के सभी निर्णय लेने के भी वही हकदार होते हैं।

- पितृसत्ता एक दोधारी तलवार जैसी है क्योंकि यह पुरुषों पर भी कई अपेक्षाओं का बोझ डालती है और उनकी निर्णय लेने और चयन की स्वतंत्रता को सीमित करती है। उदाहरण के लिए: किसी लड़के से नर्तक, संगीतकार, दर्जी या रसोइया बनने की अपेक्षा नहीं की जाती है और ना ही उन्हें ऐसा करने की स्वतंत्रता मिलती हैं। महिलाएं इस पितृसत्तात्मक व्यवस्था की सबसे बड़ी शिकार होती हैं क्योंकि उनके पहनावे से लेकर समाज में वह किनके साथ बातचीत कर सकती हैं तथा संबंध रख सकती हैं सबकुछ पितृसत्तात्मक समाज द्वारा नियंत्रित होता हैं।

लैंगिक समानता

लैंगिक समानता का अर्थ सेक्स की समानता नहीं है, अर्थात हम यह नहीं कह रहें कि जन्मजात रूप से ही महिला तथा पुरुष में कोई अंतर नहीं होता जबकि लैंगिक समानता से तात्पर्य हैं कि उनकी कार्य कुशलता और क्षमता उनकी जैविक असमानता से ज्यादा प्रभावित नहीं होती हैं। इसीलिए किसी के स्त्री या पुरुष होने के आधार पर कुछ चुनिंदा गतिविधियों तक उन्हें सीमित कर देना सही नहीं हैं। समाज में लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

- प्रतिगामी मानदंड बदलना: हमारी सामाजिक व्यवस्था ऐसे मानदंडों से भरी पड़ी है जैसे; महिलाओं को समान काम के लिए ही पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है, घरेलू काम महिलाओं का ही प्राथमिक काम समझा जाता है इत्यादि-इत्यादि। लैंगिक समानता स्थापित करने के लिए हमारे समाज से इन मानदंडों को हटा दिया जाना चाहिए।
- समान पहुँच: लैंगिक समानता स्थापित करने के लिए महिलाओं/लड़कियों को विरासत, पारिवारिक संपत्ति, ऋण, साख, अवसर इत्यादि में समान अधिकार प्राप्त होने चाहिए।
- बदलती मानसिकता: सदियों से ही समाज की यह मानसिकता रही है कि लड़की/महिला पुरुष से कमतर होती है। इसी धारणा ने समाज में कई अन्य समस्याएं भी उत्पन्न की हैं। ऐसी मानसिकता के कुछ सामान्य उदाहरण इस प्रकार हैं; एक लड़की अपना जीवन-साथी नहीं चुन सकती, एक महिला नौकरी के लिए गृहनगर नहीं छोड़ सकती, इत्याद-इत्यादि।
- पक्षपातपूर्ण सामाजिक व्यवहार बदलना: कुछ सामाजिक प्रथाएं जैसे दहेज, प्रतिबंधित ड्रेस कोड, बच्चे के जन्म के वक्त लिंग का चयन या बच्चे को जन्म देने का फैसला इत्यादि कई स्थितियाँ समाज में एक लड़की/महिला को नुकसान में डाल देती हैं और समान चयन के अवसर नहीं देती हैं। ऐसी सामाजिक प्रथाओं को बदलना होगा।

ऐसा करिए

- विद्यार्थियों से लिंग आधारित असमानता के कुछ उदाहरण तथा अनुभव साझा करने को कहिए |
- विद्यार्थियों से लिंग आधारित असमानता को खत्म करने के कुछ उपाय सुझाने को कहिए |

सारांश

- लिंग आधारित असमानता के कारण सामाजिक प्रगति पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का संक्षेप में वर्णन कीजिए |

अभ्यास

I. निम्नलिखित प्रश्नों के जवाब दीजिए

1. लिंग-संवेदीकरण क्या होता हैं?

उत्तर: जेंडर संवेदीकरण लोगों को लैंगिक समानता के बारे में जागरूक करने और लोगों को यह समझाने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है कि पुरुषों और महिलाओं के लिए कोई पूर्वनिर्धारित कार्य सीमा नहीं होती है।

2. पितृसत्ता से क्या तात्पर्य हैं?

उत्तर: पितृसत्ता, लैंगिक पूर्वाग्रह से ही उत्पन्न एक सामाजिक व्यवस्था है जो पुरुषों को सामाजिक स्तर पर महिलाओं से श्रेष्ठ मानती है। इसी सामाजिक व्यवस्था के कारण पुरुषों को आमतौर पर परिवार का मुखिया माना जाता है, भले ही वे इस काम के लिए अक्षम हों। ऐसा माना जाता है कि पुरुष ही हैं जो परिवार का नाम आगे लेकर जाते है, संपत्ति को वारिस देते हैं और परिवार के सभी निर्णय लेने के भी वही हकदार होते हैं। पितृसत्ता एक दोधारी तलवार जैसी है क्योंकि यह पुरुषों पर भी कई अपेक्षाओं का बोझ डालती है और उनकी निर्णय लेने और चयन की स्वतंत्रता को सीमित करती है। उदाहरण के लिए: किसी लड़के से नर्तक, संगीतकार, दर्जी या रसोइया बनने की अपेक्षा नहीं की जाती है और ना ही उन्हें ऐसा करने की स्वतंत्रता मिलती हैं। महिलाएं इस पितृसत्तात्मक व्यवस्था की सबसे बड़ी शिकार होती हैं क्योंकि उनके पहनावे से लेकर समाज में वह किनके साथ बातचीत कर सकती हैं तथा संबंध रख सकती हैं सबकुछ पितृसत्तात्मक समाज द्वारा नियंत्रित होता हैं।

II. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है कि असत्य |

1. लिंग समानता से तात्पर्य सेक्स समानता से हैं |

   सत्य ☐ असत्य ■

2. दैनिक जीवन में लैंगिक समानता हासिल करने के लिए सभी वयस्क लोगों को घर के काम-काज में हाथ बँटाना चाहिए |

   सत्य ■ असत्य ☐

3. पितृसत्ता एक दो-धारी तलवार की तरह होती हैं जो औरतों के साथ-साथ आदमियों पर भी अनावश्यक दबाव बनाती हैं और उनकी स्वतंत्रता को बाधित करती हैं |

   सत्य ■ असत्य ☐

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

Handicrafts and Carpet
Sector Skill Council

6. अनुलग्नक

अनुलग्नक I: प्रशिक्षण देने की योजना
अनुलग्नक II: मूल्यांकन मानदंड

अनुलग्नक I

प्रशिक्षण देने की योजना

प्रशिक्षण देने की योजना			
प्रोग्राम का नाम:	'पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न' के लिए प्रमाणपत्र कोर्स		
क्वालीफिकेशनपैक नाम एवं संदर्भ आईडी	पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न एवं संदर्भ आईडी: HCS/Q4401		
संस्करण सं.	2.0	**संस्करण अपडेट तिथि**	27/01/2022
प्रशिक्षण की पूर्व-अपेक्षाएं (यदि कोई हो)	**शैक्षणिक योग्यता**: 8वीं कक्षा पास होने के साथ 3 साल का प्रासंगिक अनुभव या 10 वीं कक्षा पास होने के साथ 1 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव		
प्रशिक्षण परिणाम	**इस प्रोग्राम के अंत में, प्रतिभागी सक्षम होंगे**: **1.** भारत में पेपर मैश उत्पादन के उप-क्षेत्र के लिए मौजूद कार्य-क्षेत्र पर चर्चा कीजिए। **2.** पेपर मैश उत्पादन के उप-क्षेत्र में आने वाली कलाकृतियों को परिभाषित करें। **3.** भारत में बने पेपर मैश उत्पादों की पहचान करें। **4.** उन राज्यों की पहचान करें जो पेपर मैश उत्पादों के प्रमुख निर्माता हैं। **5.** आवश्यकतानुसार उपयुक्त पीपीई जैसे रबर के हाथ के दस्ताने की पहचान करें और उनका उपयोग करें। **6.** चावल के आटे की अटिजी गोंद को गीले कागज़ के पेस्ट या लुगदी के साथ मिलाएं। **7.** आवश्यकतानुसार उत्पाद डिजाइन की पहचान करें और उत्पाद निर्माण करें। **8.** पेंटिंग के लिए कलर मिक्सिंग तकनीक और कलर थीम का अनुपालन कीजिए। **9.** मॉक ड्रिल/निकासी प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना; समूह चर्चा, कार्यस्थल पर आयोजित लिंग और पीडब्ल्यूडी जागरूकता के लिए प्रशिक्षण संवेदीकरण कार्यक्रम इत्यादि में भाग लेना **10.** कार्य क्षेत्र को खतरों और बाधाओं से मुक्त रखने के लिए समय-समय पर सुरक्षा जांच एवं दौरा करें **11.** संगठनात्मक मानकों, हरित समाधान, प्रक्रियाओं, नीतियों, कानून और विनियमों के अनुसार कार्य करें। **12.** इन नीतियों और प्रक्रियाओं को अपने कार्य पद्धतियों में लागू करें और उनका अनुपालन करें और टिकाऊ उपभोग प्रथाओं को कार्य-पद्धतियों में शामिल करें। **13.** अपनी भूमिका और उत्तरदायित्वों के अनुरूप संगठन के प्रदर्शन में सुधार करने में सक्रिय रूप से शामिल हों और पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं के अनुकूलन में सहायता करें। **14.** उत्पादन के दौरान अपनी कार्य-भूमिका को लेकर जिम्मेदार बने रहें **15.** उत्पादन को बेहतर करने के लिए पारंपरिक तकनीकों में नवीनता लाएं **16.** सभी सामग्रियों तथा औजारों को सुरक्षित तथा सुचारु रूप से प्रबंधित कीजिए **17.** एक साफ़ तथा सुरक्षित कार्य-क्षेत्र प्रबंधित करना		

	18. कार्य करते समय आरामदायक रूप से सही पोज़ीशन में बैठिए **19.** उत्पादन के दौरान ज़हरीले तथा हानिकारक तत्वों का अधिक उपयोग ना करें तथा एक स्वस्थ जीवन पद्धति अपनाइए **20.** एक स्वस्थ तथा सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित कीजिए **21.** संभावित खतरों एवं जोखिम को ध्यान में रखते हुए कार्य-स्थल तथा कार्य-प्रक्रिया की जांच कीजिए

क्र. सं.	मॉड्यूल का नाम	सत्र/ पाठ का नाम	पाठ के उद्देश्य	एनओएस संदर्भ	कार्यप्रणाली	प्रशिक्षण औज़ार/सहायता सामग्री	अवधि
1	क्षेत्र से परिचय	भारत में पेपर मैश उत्पाद क्षेत्र	• पेपर मैश से संबंधित उप-क्षेत्रों पर चर्चा करें। • कागज की लुगदी उप-क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कलाकृतियों को परिभाषित करें। • पेपर मैश से संबंधित कार्यों की पहचान करें।		• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • प्रदर्शन	पॉवर-पॉइंट एवं कागज़ पर नोट्स, पोस्टर, छोटी फिल्म विडियो इत्यादि	4 घंटे
		पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न की कार्य-भूमिका	• पेपर मैश आर्टिज़न के कार्य क्षेत्र का वर्णन करें। • पेपर मैश आर्टिज़न के लिए मौजूद अवसरों की पहचान करें।		• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • प्रदर्शन	पॉवर-पॉइंट एवं कागज़ पर नोट्स, पोस्टर, छोटी फिल्म विडियो इत्यादि	4 घंटे
		व्यवहारिक-सत्र	• पेपर मैश आर्टिज़न बनने के लाभों पर समूह चर्चा करें। साथ ही, विदेशों में इनके लिए मौजूद अवसरों की पहचान करें।		• समूह-चर्चा	-	4 घंटे
2	साख्ता (पेपर-पल्प) बनाना	पेपर पल्प (कागज़ की लुगदी) तैयार करना	• कागज की पट्टियों को उपयुक्त पात्र (ड्रम) में रखें। • पिसी हुई सामग्री को धूप/छांव में रखें ताकि यह खुले वातावरण में आंशिक रूप से सूख सकें। • चावल के आटे को गर्म पानी में घोलकर एक पेस्ट तैयार कीजिए जो (अटिजी) गोंद का काम करेगी।	HCS/N4401 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7,PC8, PC9,PC10,PC 11,PC12, PC13,PC14,P C15,PC16,PC 17,KU1,KU2, KU3,KU4,KU 5,KU6,KU7,K U8,KU9,KU1 0	• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • उत्पादन प्रक्रिया का सामूहिक प्रदर्शन	पीपीटी, दस्ताने, सुरक्षात्मक चश्मे, मास्क, थिम्बल, कैंची, चाकू और कागज काटने वाले ब्लेड, रबर मैट, पेपर पंच, सुई, स्टेपलर, मापने वाले और अंकन उपकरण, बिजली के उपकरण,	8 घंटे

			• इस अटिजी को कागज़ के आंशिक रूप से सूखे अर्ध-ठोस पिसे हुए पेस्ट के साथ मिलाएं। • आवश्यकता के अनुसार डिजाइन की पहचान करें और उत्पाद निर्माण करें। • कागज की लुगदी के आकार के लिए साधारण कागज को विभाजक के रूप में रखें।			सामग्री मिलाने के उपकरण, रंग करने के औज़ार	
		व्यवहारिक-सत्र	• पेपर मैश उत्पाद निर्माण में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और औजारों की कार्य-पद्धति और उपयोग को प्रदर्शित करें	HCS/N4401 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7,PC8, PC9,PC10,PC 11,PC12, PC13,PC14,P C15,PC16,PC 17,GS1,GS2, GS3,GS4,GS 5,GS6,GS7,G S8,GS9,GS10 ,GS11,GS12, GS13	व्यक्तिगत रूप से व्यवहारिक अनुभव	पीपीटी, दस्ताने, सुरक्षात्मक चश्मे, मास्क, थिम्बल, कैंची, चाकू और कागज काटने वाले ब्लेड, रबर मैट, पेपर पंच, सुई, स्टेपलर, मापने वाले और अंकन उपकरण, बिजली के उपकरण, सामग्री मिलाने के उपकरण, रंग करने के औज़ार	8 घंटे
		पेपर मैश उत्पाद निर्माण	• आवश्यकतानुसार उत्पाद डिजाइन को पहचानें और इसे निर्मित कीजिए। • पेपर मैश यानि कागज़ की लुगदी को आकार देने के लिए साधारण पेपर को विभाजक	HCS/N4401 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7,PC8, PC9,PC10,PC 11,PC12, PC13,PC14,P C15,PC16,PC 17,KU1,KU2, KU3,KU4,KU	• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • प्रदर्शन	पीपीटी, हैंडबुक, चीनी मिट्टी की कटोरी, पतली प्लास्टिक शीट, अखबार की स्ट्रिप्स, अटिजी गोंद, सजावटी कागज, एक्रिलिक पेंट, कैंची, वार्निश	4 घंटे

			के रूप में रखें। अटिजी की मदद से विभाजक को सांचे से जोड़ा जाता हैं ताकि, लुगदी साँचे से चिपके नहीं। • उत्पाद के आकार के अनुसार पेपर मैश उत्पाद तैयार करने के लिए सेपरेटर के ऊपर पेपर पल्प डालते हुए साँचे में लगाए।	5,KU6,KU7,KU8,KU9,KU10			
		व्यवहारिक-सत्र	• पेपर मैश से कटोरा बनाएँ और इसे पेंट से सजाएं	HCS/N4401 PC1,PC2,PC3,PC4,PC5,PC6,PC7,PC8, PC9,PC10,PC11,PC12, PC13,PC14,PC15,PC16,PC17,GS1,GS2, GS3,GS4,GS5,GS6,GS7,GS8,GS9,GS10,GS11,GS12, GS13	• व्यक्तिगत रूप से व्यवहारिक अनुभव	चीनी मिट्टी का कटोरा, पतली प्लास्टिक की पन्नी, अखबार की स्ट्रिप्स, अटिजी गोंद, सजावटी कागज, एक्रिलिक पेंट, कैंची, वार्निश	8 घंटे
3	कार्य-स्थल एवं औजारों का प्रबंधन	कार्य स्थल प्रबंधन	• कार्य क्षेत्र को ठीक से प्रबंधित करने के महत्व का वर्णन करें। • कार्य क्षेत्र प्रबंधन के लाभों का वर्णन करें। • वर्णन करें कि एक अच्छी हाउसकीपिंग योजना कैसे बनाई जाती हैं	HCS/N9912 PC1,PC2,PC3,PC4,PC5,PC6,PC7,PC8, PC9,PC10, KU1,KU2, KU3,KU4,KU5,KU6,KU7,KU8,KU9,KU10,KU11,KU12,KU13,KU14,KU15,KU1	• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • समूह-चर्चा • प्रदर्शन	पीपीटी, हैंडबुक, सुरक्षात्मक गियर जैसे; गॉगल्स, मास्क, दस्ताने, साफ़-सफाई के उपकरण, बिजली जांच उपकरण, दुर्घटना या जोखिम संबंधी रिपोर्ट शीट इत्यादि	6 घंटे

			• एक अच्छी हाउसकीपिंग योजना के विभिन्न घटकों की पहचान करना • सामग्री और उपकरणों को सुरक्षित और सही तरीके से प्रबंधित करें • ऐसी सामग्री का उपयोग करें जिससे कम-से-कम कचरा उत्पन्न हों • एक साफ-सुथरा तथा जोखिम-मुक्त कार्य-स्थल प्रबंधित कीजिए • औजारों का उचित प्रबंधन • अपनी-अपनी जिम्मेदारियों और समय-सूची के अनुसार सफाई कार्य पूरा करना • अपशिष्ट सामग्री का निश्चित स्थान पर उचित रूप से निपटान कीजिए • उपयोग के बाद साफ-सफाई की सामग्री तथा उपकरणों को सुरक्षित रूप से स्टोर करें • जिम्मेदारियों और समय-सूची के अनुसार साफ़-	6,KU17,KU18			

			सफाई कार्य को पूरा करें				
		व्यवहारिक-सत्र	कार्य क्षेत्र पर सुरक्षा जांच करें और कुछ सुधारों का सुझाव दें	HCS/N9912 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7,PC8, PC9,PC10, GS1,GS2,GS 3,GS4,GS5,G S6,GS7,GS8, GS9,GS10,G S11,GS12,GS 13	• सामूहिक रूप से व्यवहारिक अनुभव	सुरक्षात्मक गियर जैसे; गॉगल्स, मास्क, दस्ताने, साफ़-सफाई के उपकरण, बिजली जांच उपकरण, दुर्घटना या जोखिम संबंधी रिपोर्ट शीट इत्यादि	8 घंटे
4	एक सुरक्षित तथा स्वस्थ कार्य-परिवेश बनाकर रखना	सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई	• स्टूडियो में कार्य करते समय सामान्य सुरक्षा उपायों की पहचान कीजिए | • स्वास्थ्य के लाभों पर चर्चा कीजिए • कार्य-शाला पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए कारगर उपायों का वर्णन कीजिए | • कार्य-स्थल पर होने वाली कुछ आम दुर्घटनाओं का वर्णन कीजिए | • कार्य-स्थल पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाए तथा उनका वर्णन करें |	HCS/N9913 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7,PC8,P C9,PC10,KU 1,KU2,KU3,K U4,KU5,KU6 ,KU7,KU8,K U9,KU10,KU 11,KU12,KU 13,KU14,KU 15,KU16,KU 17	• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • समूह-चर्चा • प्रदर्शन	पीपीटी, हैंडबुक, मैग्नीफाइंग ग्लास, थ्रेड गेज पीपीई किट प्राथमिक चिकित्सा सुरक्षा उपकरण	8 घंटे

			• अग्निशामक को उपयोग करने की प्रक्रिया सीखिए | • प्राथमिक-चिकित्सा किट की सामग्री के बारे में जानिए | • किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक-उपचार देने के तरीके का वर्णन कीजिए |				
		क्विज़ टेस्ट	व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रश्नोत्तरी और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) पर सामूहिक चर्चा	HCS/N9913 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7,PC8,P C9,PC10,KU 1,KU2,KU3,K U4,KU5,KU6 ,KU7,KU8,K U9,KU10,KU 11,KU12,KU 13,KU14,KU 15,KU16	• क्विज़ • सामूहिक चर्चा	प्रश्न और उत्तर के साथ क्विज शीट, तथा पीपीई	8 घंटे
		प्राथमिक-चिकित्सा	• कार्य-स्थल पर होने वाली कुछ आम दुर्घटनाओं का वर्णन कीजिए | • कार्य-स्थल पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाए तथा उनका वर्णन करें | • अग्निशामक को उपयोग करने की प्रक्रिया सीखिए |	HCS/N9913 PC11,PC12,P C13,PC14,K U1,KU2,KU3 ,KU4,KU5,K U6,KU7,KU8 ,KU9,KU10,K U11,KU12,K U13,KU14,K U15,KU16	• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • समूह-चर्चा • प्रदर्शन	पीपीटी, हैंडबुक, अग्निशामक यंत्र, प्राथमिक चिकित्सा किट	8 घंटे

			• प्राथमिक-चिकित्सा किट की सामग्री के बारे में जानिए | • किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक-उपचार देने के तरीके का वर्णन कीजिए |				
		व्यवहारिक-सत्र 1	विभिन्न प्रकार की आग पर अग्निशमन यंत्र के उपयोग से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान	HCS/N9913 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7, PC8,PC9,PC1 0,PC11,GS1, GS2,GS3,GS 4,GS5,GS6,G S7,GS8,GS9, GS10,GS11, GS12,GS13	• सामूहिक रूप से व्यवहारिक अनुभव	अग्निशामक	8 घंटे
		व्यवहारिक-सत्र 2	प्राथमिक चिकित्सा और समूह चर्चा पर रोल प्ले	HCS/N9913 PC12,PC13,P C14,GS1,GS 2,GS3,GS4,G S5,GS6,GS7, GS8,GS9,GS 10,GS11,GS 12,GS13	• सामूहिक चर्चा • व्यवहारिक अनुभव	प्राथमिक-चिकित्सा किट	8 घंटे
5	एक टीम में कार्य करना	एक टीम में कार्य करना	• टीम वर्क के लाभों को समझना। • समूह निर्माण के चरणों को समझना। • एक टीम में प्रभावी रूप से कार्य करने के तरीकों को समझना • उत्पाद विकसित करने की पूरी प्रक्रिया में अपनी भूमिका के प्रति जवाबदेह हों • सभी भूमिकाओं को पूरी जिम्मेदारी से निभाएं	HCS/N9901 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7, PC8, PC9,PC10,PC 11,PC12,PC1 3,KU1,KU2,K U3,KU4,KU5 ,KU6,KU7,K U8,KU9,KU1 0,KU11,KU1 2,KU13,KU1 4,GS1,GS2,G S3,GS4,GS5, GS6,GS7,GS	• प्रशिक्षक की देखरेख में प्रशिक्षण • समूह-चर्चा • प्रदर्शन	पॉवर-पॉइंट एवं कागज़ पर नोट्स, पोस्टर, छोटी फिल्म विडियो,	6 घंटे

			• कार्यस्थल पर प्रभावी और कुशल बनें • संगठन की नीतियों के बारे में ठीक से संवाद करें • टीम के अन्य सदस्यों और सहकर्मियों के साथ विनम्रता से बात करें • विभिन्न कार्य स्थितियों में स्वयं को ढालें • दूसरों के दृष्टिकोण को उचित महत्व दें • परस्पर विरोधी स्थितियों से बचें • कार्य प्रक्रियाओं के लिए नए विचारों का विकास करना • प्रक्रिया दक्षता बढ़ाने के लिए मौजूदा तकनीकों में सुधार करें	8,GS9,GS10, GS11,GS12, GS13			
		व्यवहारिक-सत्र	सामूहिक खेल जैसे; क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल आदि।	HCS/N9901 PC1,PC2,PC3 ,PC4,PC5,PC 6,PC7, PC8, PC9,PC10,PC 11,PC12,PC1 3,GS1,GS2,G S3,GS4,GS5, GS6,GS7,GS 8,GS9,GS10, GS11,GS12, GS13	खेल-खेलना	चयनित खेल के अनुसार उपकरण	8 घंटे
		व्यवहारिक-सत्र	पेपर मैश उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में 6 अभ्यास सत्र		प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में व्यावहारिक अभ्यास	पिछले सत्रों में उपयोग किए गए उपकरण	48 घंटे

कुल घंटे 156

अनुलग्नक II

मूल्यांकन मानदंड

प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन के लिए मानदंड

पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न के लिए मूल्यांकन मानदंड	
जॉब रोल	**पेपर मैश प्रोडक्टस आर्टिज़न**
योग्यता पैक	**HCS/Q4401**
सेक्टर स्किल काउन्सिल	**हैंडीक्राफ्टस एंड कारपेट**

क्र. सं.	मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश
1	प्रत्येक योग्यता पैक के मूल्यांकन के लिए मानदंड, सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा ही बनाए जाएंगे। प्रत्येक प्रदर्शन मानदंड (पीसी) को एनओएस में इसके महत्व के अनुपात में अंक दिए जाएंगे। एसएससी प्रत्येक पीसी के लिए अंकों का अनुपात भी निर्धारित करेगी।
2	प्रत्येक एनओएस का मूल्यांकन सिद्धांतात्मक तथा व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर किया जाएगा
3	यह मूल्यांकन एसएससी द्वारा निर्मित प्रश्नों के क्वेशन बैंक के आधार पर किया जाएगा
4	व्यक्तिगत मूल्यांकन एजेंसियां प्रत्येक परीक्षा/प्रशिक्षण केंद्र पर उम्मीदवार के लिए सिद्धांत और कौशल व्यावहारिक परीक्षा भाग के लिए अलग-अलग प्रश्न पत्र तैयार करेंगी।
5	योग्यता-पैक को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को प्रत्येक एनओएस में न्यूनतम 70% अंक लाने आवश्यक हैं |
6	सिर्फ कुछ एनओएस को उत्तीर्ण करने की स्थिति में प्रशिक्षु योग्यता-पैक को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के लिए बचे हुए एनओएस पर पुनःपरीक्षा दे सकता हैं

परिणाम संबंधी मूल्यांकन मानदंड	सैद्धांतिक ज्ञान अंक	व्यावहारिक ज्ञान अंक	परियोजना कार्य अंक	मौखिक परीक्षा अंक
पेपर पल्प तैयार करना	20	38	-	-
पीसी 1. आवश्यकतानुसार उपयुक्त पीपीई उपकरण जैसे; रबर के दस्ताने की पहचान करें और उनका उपयोग करें।	2	3	-	-
पीसी 2. एक उपयुक्त कंटेनर (ड्रम) में कागज़ की स्ट्रिप्स डालें।	2	3	-	-
पीसी 3. कागज़ को डूबाने के लिए ड्रम में पर्याप्त पानी डालें।	2	3	-	-
पीसी 4. इसे 3-4 दिनों तक भीगने दें।	2	3	-	-

पीसी 5. भीगे हुए कागज़ को बाहर निकाल दें और इसे पत्थर के मोर्टार में डालकर पीसिए।	2	3	-	-
पीसी 6. लकड़ी के मूसल से कागज़ को पीसिए।	2	4	-	-
पीसी 7. पिसी हुई सामग्री को धूप/छांव में रखें ताकि यह खुले वातावरण में आंशिक रूप से सूख सकें।	2	4	-	-
पीसी 8. चावल के आटे को पानी में घोलकर और गरम करते समय मिलाते हुए अलग से चावल का आटा (अटिजी) तैयार करें।	2	5	-	-
पीसी 9. अटिजी इस प्रकार तैयार हो जाएगी।	2	5	-	-
पीसी 10. इस अटिजी को कागज के आंशिक रूप से सूखे अर्ध-ठोस पेस्ट के साथ मिलाएं। यह पेपर-पल्प प्राकृतिक रूप से चिपचिपी सामग्री में बदल जाएगा।	2	5	-	-
साख्ता बनाना	7	35	-	-
पीसी 11. आवश्यकतानुसार उत्पाद डिजाइन को पहचानें और इसे निर्मित कीजिए।	1	5	-	-
पीसी 12. पेपर मैश यानि कागज़ की लुगदी को आकार देने के लिए साधारण पेपर को विभाजक के रूप में रखें। अटिजी की मदद से विभाजक को सांचे से जोड़ा जाता हैं ताकि, लुगदी साँचे से चिपके नहीं।	1	5	-	-
पीसी 13. उत्पाद के आकार के अनुसार पेपर मैश उत्पाद तैयार करने के लिए सेपरेटर के ऊपर पेपर पल्प डालते हुए साँचे में लगाए।	1	5	-	-
पीसी 14. इसे 4-5 दिनों तक सूखने के लिए छोड़ दें।	1	5	-	-
पीसी 15. सूखी वस्तु को एक तेज चाकू या उपयुक्त कटर से काट कर अलग करें जहां भी प्रासंगिक हो।	1	5	-	-

पीसी 16. अलग की गई वस्तु को फेविकोल या बाजार में उपलब्ध उपयुक्त गोंद से चिपका लें।	1	5	-	-
पीसी 17. इसे तब तक सूखने दें जब तक यह मजबूती से जुड़ न जाएं।	1	5	-	-
एनओएस योग	27	73	-	-
परिणाम संबंधी मूल्यांकन मानदंड	**सैद्धांतिक ज्ञान अंक**	**व्यावहारिक ज्ञान अंक**	**परियोजना कार्य अंक**	**मौखिक परीक्षा अंक**
कार्य-स्थल पर स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन करें	28	72	-	-
पीसी 1. स्वास्थ्य, सुरक्षा, लैंगिक समानता और दिव्यांगजनों से संबंधित नियमों और दिशानिर्देशों का अनुपालन	2	5	-	-
पीसी 2. कार्यस्थल पर आयोजित आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं/ मॉक-ड्रिल, समूह-चर्चाओं, लैंगिक समानता संबंधी संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा दिव्यांगजनों के हक के संबंध में जागरूकता कार्यक्रमों इत्यादि गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें	2	5	-	-
पीसी 3. कार्यस्थल पर लागू स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करना	2	5	-	-
पीसी 4. प्रोटोकॉल के अनुसार व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का उपयोग और रखरखाव करें	2	5	-	-
पीसी 5. एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाए और नशीले पदार्थों के सेवन से बचें	2	5	-	-
पीसी 6. पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली से संबंधित प्रक्रियाओं का अनुपालन करें	2	5	-	-
पीसी 7. निर्माताओं और संगठनात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री और उपकरण का भंडारण करें	2	5	-	-
पीसी 8. कचरे और मलबे को सुरक्षित रूप से प्रबंधित तथा स्थानांतरित करना	2	5	-	-
पीसी 9. अपनी गतिविधियों से स्वयं और दूसरों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों को कम करना	2	5	-	-

पीसी 10. कथित जोखिमों के मामले में पर्यवेक्षकों या अन्य अधिकृत कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगें	2	5	-	-
पीसी 11. कार्य क्षेत्र को खतरों और जोखिमों से मुक्त रखने के लिए समय-समय पर कार्य-स्थल का दौरा तथा जांच करें	2	5	-	-
पीसी 12. पर्यवेक्षकों या अन्य अधिकृत कर्मचारियों को दुर्घटनाओं और संभावित जोखिमों/खतरों की रिपोर्ट करें	2	5	-	-
पीसी 13. आग, आपात स्थिति या दुर्घटना की स्थिति में निर्देशों के आधार पर कार्रवाई करें	2	6	-	-
पीसी 14. आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन-निकासी के लिए संगठन के विनिर्देशों का अनुपालन करें	2	6	-	-
एनओएस योग	28	72	-	-
परिणाम संबंधी मूल्यांकन मानदंड	**सैद्धांतिक ज्ञान अंक**	**व्यावहारिक ज्ञान अंक**	**परियोजना कार्य अंक**	**मौखिक परीक्षा अंक**
पर्यवेक्षक या वरिष्ठ कर्मचारियों के साथ बातचीत करें	14	30	-	-
पीसी 1. स्वास्थ्य, सुरक्षा, लैंगिक समानता और दिव्यांगजनों से संबंधित नियमों और दिशानिर्देशों का अनुपालन	2	5	-	-
पीसी 2. कार्यस्थल पर आयोजित आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं/ मॉक-ड्रिल, समूह-चर्चाओं, लैंगिक समानता संबंधी संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा दिव्यांगजनों के हक के संबंध में जागरूकता कार्यक्रमों इत्यादि गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें	2	5	-	-
पीसी 3. रिपोर्टिंग पर्यवेक्षक से कार्य संबंधी आदेश तथा निर्देश प्राप्त कीजिए और कार्य संबंधी मानकों पर वरिष्ठ कर्मचारियों से प्रतिपुष्टी भी प्राप्त करें	2	5	-	-
पीसी 4. कार्य संबंधी परिणाम अपेक्षाओं, लक्ष्यों, प्रदर्शन सूचकों और प्रोत्साहन इत्यादि को समझना	2	5	-	-
पीसी 5. समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा कीजिए और किसी भी प्रकार की देरी की स्थिति में अपने वरिष्ठ कर्मचारियों या पर्यवेक्षकों को देरी का उचित	3	5	-	-

कारण बताते हुए रिपोर्ट तथा समय पर कार्य सौंप दीजिए				
पीसी 6. किसी भी प्रकार की शिकायत, उत्पाद दोष और संभावित खतरें पर समय पर संबंधित अधिकारी को रिपोर्ट कीजिए	3	5	-	-
अपने विभाग तथा बाहर के कर्मचारियों संग सामंजस्य बनाकर एक टीम के रूप में कार्य कीजिए तथा लिंग संवेदीकरण तथा दिव्यांगजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कीजिए	6	10	-	-
पीसी 7. अपने पर्यवेक्षकों संग प्रबंधन तथा मरम्मत संबंधी कार्यों की रिपोर्ट समय पर साझा कीजिए	3	5	-	-
पीसी 8. डिजाइन, सामग्री, औजारों के उपयोग, गुणवत्ता एवं मानकों के अनुपालन इत्यादि से संबंधित शंकाओं के समाधान के लिए स्पष्ट बातचीत कीजिए	3	5	-	-
रिपोर्ट तथा प्रलेखन	15	25	-	-
पीसी 9. कच्चा-माल सामग्री की ज़रूरत या कमी पड़ने पर समय पर इसकी सूचना दीजिए	3	5	-	-
पीसी 10. टीम में अच्छे से काम करने के लिए कार्य संबंधी सभी पहलुओं पर स्पष्ट रूप से और प्रभावी ढंग से अपने विभाग में और अन्य विभागों के लोगों के साथ उचित रूप से संवाद करें	3	5	-	-
पीसी 11. अपने सहकर्मियों संग शिष्टाचार, विनम्र बोली, सम्मानजनक भाषा का उपयोग करते हुए एक अनुशासित तथा जिम्मेवार व्यवहार का प्रदर्शन कीजिए	3	5	-	-
पीसी 12. टीम के लक्ष्यों को व्यक्तिगत लक्ष्यों और मल्टी-टास्क के ऊपर रखिए या जहाँ भी आवश्यक हो अपने सहकर्मियों का साथ देते हुए काम साझा करना सीखिए।	3	5	-	-
पीसी 13. आवश्यकतानुसार किसी की भूमिका से संबंधित सभी विवरणों को सटीक रूप से प्रलेखित करें।	3	5	-	-
एनओएस योग	35	65	-	-

परिणाम संबंधी मूल्यांकन मानदंड	सैद्धांतिक ज्ञान अंक	व्यावहारिक ज्ञान अंक	परियोजना कार्य अंक	मौखिक परीक्षा अंक
कार्य क्षेत्र, उपकरणों और मशीनों का उचित प्रबंधन करें	26	74	-	-
पीसी 1. कंपनी के संगठनात्मक मानकों, पर्यावरण सापेक्ष समाधानों, प्रक्रियाओं, नीतियों, कानूनों और विनियमों के अनुसार कार्य पूरा कीजिए	2	4	-	-
पीसी 2. इन नीतियों और प्रक्रियाओं को अपनी कंपनी की कार्य पद्धतियों में शामिल करें और उनका पालन करें तथा टिकाऊ उपभोग प्रथाओं को अपनाइए	2	4	-	-
पीसी 3. अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों के अनुरूप संगठन के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दीजिए और अधिक पर्यावरण-सापेक्ष प्रक्रियाओं को अपनाने पर ज़ोर दीजिए	2	6	-	-
पीसी 4. सामग्री और उपकरणों को सुरक्षित और सही ढंग से संभालें और प्रबंधित करें	2	6	-	-
पीसी 5. ऐसी सामग्री का उपयोग करें जिससे कचरे को कम-से-कम किया जा सकें	2	6	-	-
पीसी 6. स्वच्छ और जोखिम-मुक्त कार्य क्षेत्र सुनिश्चित करें	2	6	-	-
पीसी 7. उपकरणों का उचित प्रकार प्रबंधन करें	2	6	-	-
पीसी 8. अपनी जिम्मेदारी के भीतर रखरखाव और/या साफ़-सफाई कार्य करें	2	6	-	-
पीसी 9. क्षतिग्रस्त उपकरणों और सामग्री की रिपोर्ट करें	2	6	-	-
पीसी 10. सही मुद्रा के साथ आरामदायक स्थिति में काम करें	2	6	-	-
पीसी 11. निर्धारित स्थान पर कचरे का सुरक्षित निस्तारण करें	2	6	-	-
पीसी 12. उपयोग के बाद साफ़-सफाई उपकरणों को सुरक्षित रूप से स्टोर करें	2	6	-	-

पीसी 13. समय-सूची तथा अपनी-अपनी जिम्मेदारी की सीमा के अनुरूप साफ़-सफाई एवं प्रबंधन कार्य करें	2	6	-	-
एनओएस योग	**26**	**74**	-	-

मूल्यांकन भारांक

अनिवार्य एनओएस

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक	सैद्धांतिक ज्ञान अंक	व्यावहारिक ज्ञान अंक	परियोजना कार्य अंक	मौखिक परीक्षा	कुल अंक	भारांक
HCS/N4401. साख्ता बनाना (पेपर पल्प/ कागज़ की लुगदी)	27	73	-	-	100	30
HCS/N9913. एक स्वस्थ तथा सुरक्षित कार्य-क्षेत्र तैयार करना	28	72	-	-	100	20
HCS/N9901. सहकर्मियों के साथ सामंजस्य स्थापित करना और एक टीम में कार्य करना	35	65	0	0	100	25
HCS/N9912. कार्य-क्षेत्र और औजारों का प्रबंधन	26	74	-	-	100	25
कुल	116	284	0	0	400	100

ऐसा कीजिए

- मूल्यांकन के लिए प्रत्येक दिशानिर्देश की विस्तार से व्याख्या करें।
- उस स्कोर की व्याख्या करें जिसे प्राप्त करना प्रत्येक प्रशिक्षु के लिए आवश्यक हैं।
- प्रत्येक एनओएस को एक-एक करके दोहराएं और प्रतिभागियों को थ्योरी तथा स्किल प्रैक्टिकल के लिए आबंटित अंकों का मापदंड समझाइए।
- अंकों के आवंटन आधार की स्पष्ट व्याख्या करें और प्रशिक्षुओं को यह अवश्य स्पष्ट कर दें कि उनका मूल्यांकन थ्योरी तथा स्किल्स प्रैक्टिकल परीक्षा दोनों के आधार पर किया जाएगा।
- प्रशिक्षुओं को यह भी स्पष्ट कर दें कि पहले एनओएस के लिए थ्योरी के लिए <22> और स्किल प्रैक्टिकल के लिए <78> अंक आवंटित किए जाते हैं।

नोट्स

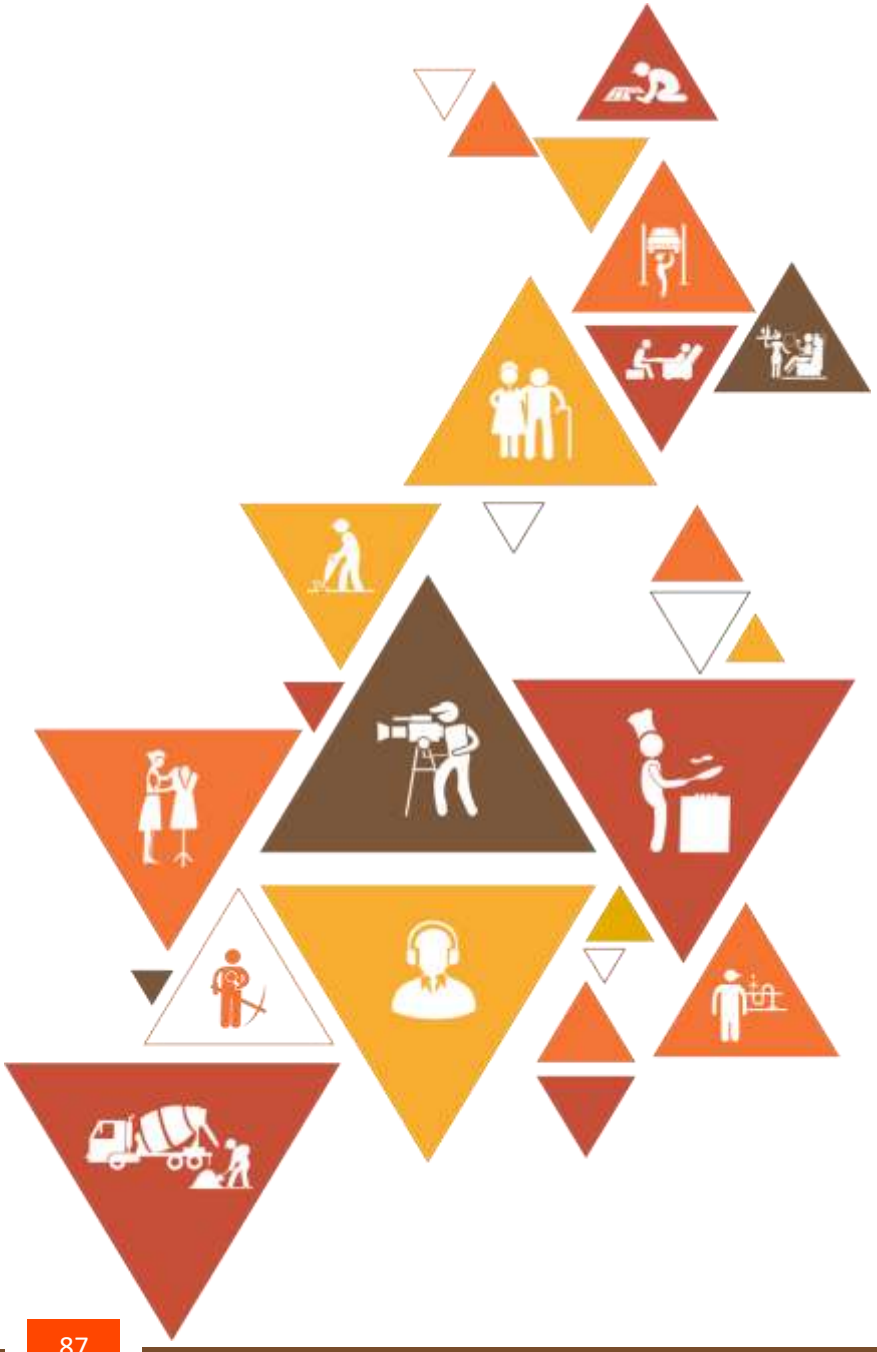

Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP

N•S•D•C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

NCVET

SCPwD
दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल परिषद्
Skill Council for Persons with Disability

Skill Council for Persons with Disability

Sector Skill Council Contact Details:

Address: 501, City Centre, Plot No. 5 Sector 12 Dwarka New Delhi - 110075

Website: www.scpwd.in

Phone: 01120892791

Price: ₹

978-1-111-22222-45-7